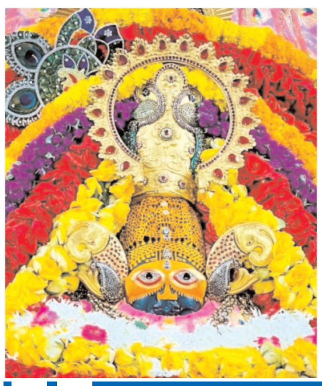

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:314। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 05 जुलाई 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

पीएम मोदी की राजस्थान को बड़ी सौगात

1.06 लाख करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

एजेंसी

बालोतरा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान के बालोतरा में पेट्रोकेमिकल्स, शहरी परिवहन, रेलवे, सड़कों, रिन्यूएबल एनर्जी और बिजली जैसे कई सेक्टरों से जुड़ी लगभग 1.06 लाख करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बालोतरा के पचपदरा में भारत के पहले ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल परिसर को राष्ट्र को समर्पित किया, जो देश के ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि का प्रतीक है। इस दौरान, पीएम मोदी ने वर्चुअल तरीके से जयपुर मेट्रो फेज-2 प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री मोदी दोपहर करीब 12 बजे पचपदरा पहुंचे, जहां उन्होंने रिफाइनरी के अत्याधुनिक कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और कच्चे तेल को रिफाइन

करने की प्रक्रिया को समझने के लिए इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों से बातचीत की। रिफाइनरी को देश को समर्पित करने से पहले उन्होंने प्रोजेक्ट के विकास को दिखाने वाली एक डॉक्यूमेंट्री भी देखी और रिफाइनरी परिसर में एक पौधा लगाया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री ने रिफाइनरी कॉम्प्लेक्स में लगभग दो घंटे बिताए। पचपदरा के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और सम्मान के तौर पर सजावटी 'झरोखा' भेंट किया।रिफाइनरी परिसर के अंदर विशेष रूप से बनाए गए गुंबद में एक जनसभा आयोजित की गई, जिसमें लगभग 5,000 लोगों के बैठने की व्यवस्था थी। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, स्थानीय निवासी, युवा और महिलाएं जमा हुए। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार के संयुक्त उद्यम के रूप में विकसित 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) की क्षमता वाले इस ग्रीनफील्ड रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना 79,450 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश से की गई है।

इस अत्याधुनिक परिसर में शोधन और पेट्रोकेमिकल उत्पादन की सुविधाओं को एकीकृत किया गया है, जिसकी पेट्रोकेमिकल क्षमता 2.4 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष है। इस रिफाइनरी का नेल्सन कॉम्प्लेक्सिटी इंडेक्स 17.0 है और पेट्रोकेमिकल उत्पादन 26 प्रतिशत से अधिक है, जो दक्षता और स्थिरता के वैश्विक मानकों के अनुरूप है।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल तरीके से जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला रखी, जिसकी कुल लागत 13,000 करोड़ रुपए से अधिक है।

प्रधानमंत्री ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

480 करोड़ की लागत से विकसित नया टर्मिनल 23 हजार वर्गमीटर में फैला है

जोधपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने संशोधित उड़ान योजना का भी शुभारंभ किया। 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल 23 हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है तथा इसकी प्रतिवर्ष यात्री क्षमता 20 लाख है। राजस्थान की समृद्ध विरासत से प्रेरित वास्तुकला से निर्मित यह टर्मिनल भवन अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित है। साथ ही, ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और हरित भवन निर्माण पद्धतियों जैसी विशेषताओं के साथ सतत विकास टर्मिनल के डिजाइन के अभिन्न अंग हैं। नए टर्मिनल भवन के उद्घाटन से बेहतर एयर कनेक्टिविटी के साथ पश्चिमी राजस्थान में पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

लखनऊ में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का शक्ति प्रदर्शन

रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को अपने पहले उत्तर प्रदेश दौरे की शुरुआत राजधानी लखनऊ में भव्य रोड शो के साथ की। एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक करीब 18 किलोमीटर लंबे रोड शो में कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर दिखा। जगह-जगह पुष्पवर्षा और स्वागत कार्यक्रमों के बीच भाजपा ने आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन की ताकत का प्रदर्शन किया।

जयशंकर ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर दी बधाई

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वहां की सरकार और जनता को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने की उम्मीद भी जताई। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर मार्को रुबियो, अमेरिका की सरकार और वहां के लोगों को शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि वह भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं।

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष समेत सभी पदों से दिया इस्तीफा

ममता बनर्जी को लिखा पत्र

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी में अपने सभी अन्य पदों से भी इस्तीफा देने की घोषणा की है। उन्होंने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर अपने फैसले की जानकारी दी। अपने इस्तीफे में चंद्रिमा भट्टाचार्य ने लिखा कि वह 3 जून 2026 को कालीघाट में हुई बैठक में उन्हें सौंपे गए अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रही हैं। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि वह वर्तमान में पार्टी में संभाल रहे सभी अन्य पदों से भी अपना इस्तीफा दे रही हैं। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि वह अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस और उससे जुड़े अन्य संगठनों के विभिन्न बैंक खातों की अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता (ऑथराइज्ड सिग्नेटरी) के रूप में अपनी जिम्मेदारी वापस ले रही हैं। इसके अलावा उन्होंने खुद को भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी की अधिकृत प्रतिनिधि (ऑथराइज्ड पर्सन) के रूप में भी वापस लेने की घोषणा की।

2035 तक उत्तराखंड को 'विकसित राज्य' बनाकर रहेंगे : सीएम पुष्कर धामी

ऋषिकेश (उत्तराखंड) । ऋषिकेश में सेवा, सुशासन और समर्पण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का नाम 'हर घर में, हर व्यक्ति के लिए जन सरकार' रखा गया था। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित एक वीडियो प्रस्तुति दिखाई गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न मुद्दों पर सरकार की उपलब्धियां और भविष्य की योजनाएं साझा कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। इसी कारण कई ऐसे कार्य संभव हो सके हैं, जिन्हें पहले असंभव माना जाता था। उन्होंने प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से राज्य लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

'महानगर मेट्रो' की शिकायत पर SMC का बड़ा एक्शन

सुपर एक्सक्लूसिव पुलिस थाने के सामने चल रहे शराब के अड्डे पर छापा, खुली पोल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नडियाद/खेड़ा। गुजरात के खेड़ा जिले में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाला एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय पुलिस प्रशासन को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। नडियाद पश्चिम पुलिस स्टेशन के ठीक सामने, पुलिस की नाक के नीचे धड़ल्ले से चल रहे विदेशी शराब के एक बड़े अड्डे पर स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने देर रात गुप्त छापेमारी कर पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। 'महानगर मेट्रो' द्वारा इस अवैध काले कारोबार के खिलाफ पुख्ता सबूतों के साथ स्म्ष्ट को लिखित शिकायत दी गई थी, जिसके बाद गांधीनगर की टीम ने यह बड़ी कार्रवाई की है।

थाने के सामने जाम से जाम टकरा रहे थे नवाब! 3 आरोपी गिरफ्तार, इकबाल पठान का माल जब्त

स्म्ष्ट की इस औचक छापेमारी के दौरान मौके से शराब की महफिल सजाए बैठे तीन आरोपियों को रंगे हाथों दबोचा गया है। नडियाद के कुख्यात और मोस्ट वांटेड बुटलेगर इकबाल पठान की

1,52, रुपये की विदेशी शराब का जत्था जब्त किया गया है। अब सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह उठता है कि जिस शराब को पकड़ने के लिए गांधीनगर से स्पेशल फोर्स बुलानी पड़ती है, वह स्थानीय नडियाद पुलिस को अपने थाने के ठीक सामने बिकती हुई क्यों नहीं दिख रही थी? क्या खाकी खुद इन बूटलेगरों की पहरेदार बनी बैठी है?

खेड़ा LCB और भ्रष्ट अधिकारियों का करोड़ों का खेल? कप्तान साहब ने क्यों मूंद रखी हैं आंखें?

इस पूरे सिंडिकेट के तार खेड़ा लोकल क्राइम ब्रांच से जुड़े होने के बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक, खेड़ा LCB के पी.आई. केवल और उनके खास 'वहीवटदार' (लेनदेन संभालने वाले) जयेश रबारी के आशीर्वाद के बिना जिले में परिंदा भी पर नहीं मार सकता। आरोप है कि यह जोड़ी शराब माफियाओं और जुए के अड्डों से हर महीने लाखों रुपये का हफ्ता वसूल कर इन अवैध धंधों को खुली छूट दे रही है। हद तो यह है कि खेड़ा जिले के एस.पी.भी पूरे जिले में धधक रही अवैध भट्ठियों और जुए के अड्डों की तरफ से आंखें बंद किए बैठे हैं, जिससे साफ है कि भ्रष्टाचार की यह गंगा ऊपर तक बह रही है।

सबसे बड़ा धमाका: जिस जिले में कानून का राज कायम रखने की जिम्मेदारी LCB और जिला पुलिस कप्तान की है, वहां 'महानगर मेट्रो' को जनता के हित में आगे आकर गांधीनगर की एजेंसी को जगाना पड़ा और कार्रवाई करानी पड़ी!

'महानगर मेट्रो' के तीखे सवाल:

पुलिस थाने के ठीक सामने शराब बेचने की हिम्मत बूटलेगर इकबाल पठान में कहां से आई? उसे किस बड़े सफेदपोश का वरदहस्त प्राप्त है?

महीने का लाखों रुपये का 'वहीवट' करने वाले LCB पी.आई. केवल और उनके गुर्गे जयेश रबारी के खिलाफ गृह विभाग कब सख्त एक्शन लेगा?

पूरे खेड़ा जिले को नशे और जुए का गढ़ बना देने वाले इन भ्रष्ट अधिकारियों को तत्काल सस्पेंड कर सलाखों के पीछे कब भेजा जाएगा?

'महानगर मेट्रो' के इस बड़े खुलासे के बाद अब देखना यह होगा कि गांधीनगर में बैठे आला अधिकारी इस हफ्ताखोर तंत्र पर नकेल कसते हैं या फिर इस मामले को हमेशा की तरह ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा। हम जनता के हक और नशामुक्त गुजरात के संकल्प के लिए ऐसे भ्रष्ट चेहरों को बेनकाब करना जारी रखेंगे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई: आलोक कुमार

'संगठन किसी भी व्यक्ति को बचाने के पक्ष में नहीं है'

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। आलोक कुमार ने

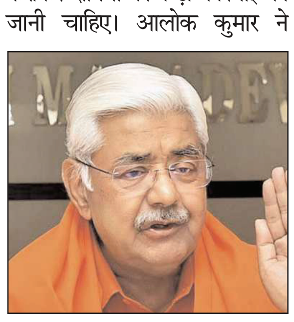

बातचीत में कहा कि इस घटना ने पूरे हिंदू समाज को गहरा आघात पहुंचाया है और संगठन शुरू से ही निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग करता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना की जानकारी मिलते ही संगठन ने एफआईआर दर्ज करने, अनुभवी अधिकारियों से जांच कराने और मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की थी, ताकि जल्द से जल्द सच्चाई सामने आ सके।

चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को बचाने के आरोपों पर विहिप अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संगठन किसी भी व्यक्ति को बचाने के पक्ष में नहीं है। उनका कहना था कि जिन-जिन लोगों पर आरोप लगे हैं, उन सभी की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी ने संज्ञेय अपराध किया है तो कानून के अनुसार उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

राम मंदिर से चढ़ावा नहीं, करोड़ों आस्थावानों की श्रद्धा की लूट हुई: सुधाकर सिंह

एजेंसी

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद सुधाकर सिंह ने राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की ओर से सवाल उठाए जाने पर कहा कि मंदिर से सिर्फ चढ़ावा चोरी ही नहीं हुआ है, बल्कि करोड़ों आस्थावानों की श्रद्धा की लूट हुई है। पटना में बातचीत में राजद सांसद ने कहा कि मैं धार्मिक मामलों का विशेषज्ञ नहीं हूं, लेकिन कई पुजारियों और धर्मगुरुओं से सुना है कि प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान रीति-रिवाजों और प्रक्रियाओं का ठीक से पालन नहीं किया गया। कई शंकराचार्यों ने भी ऐसा कहा है। अनुष्ठान ठीक से नहीं हुआ है, इसीलिए प्रकृति नाराज है। आए दिन घटनाएं हो रही हैं। किसी से अब नहीं छिपा है कि मंदिर में पैसों की लूट हुई है। लोगों का विश्वास टूटा है।

केंद्र सरकार ने 17 पाकिस्तानियों समेत 23 और दहशतगर्दों को घोषित किया आतंकवादी

यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है।

एजेंसी

नई दिल्ली। आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत गृह मंत्रालय ने 23 और दहशतगर्दों को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम-1967 (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। इस कार्रवाई के बाद यूएपीए की चौथी अनुसूची में नामित आतंकवादियों की संख्या बढ़कर 80 हो गई है। घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं।

गृह मंत्रालय ने कहा कि इन आतंकवादियों को औपचारिक रूप से नामित किए जाने से उनके वित्तीय नेटवर्क, आवाजाही, भर्ती क्षमता और आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को और मजबूती मिलेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, हथियारों की तस्करी, सीमा पार घुसपैठ, आतंकवादी संगठनों की मदद, धन जुटाने और आतंकवादियों की भर्ती में शामिल रहे हैं। शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत और उसके नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्रालय के अनुसार घोषित 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और छह भारतीय नागरिक हैं। सभी वर्तमान में पाकिस्तान अथवा पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। पाकिस्तानी आतंकवादियों में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, गुलाम फरीद, अशफाक अहमद,

मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की और वसीम नूर जाट शामिल हैं। इसके अलावा अब्दुल रऊफ, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार और मोहम्मद शहीद फैसल लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआईएफ), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे संगठनों से जुड़े बताए गए हैं।

महाराष्ट्र के भिंवडी में 3 फीट पानी भरा, दुकानें बंद: गुजरात में बाढ़

9 लोगों का रेस्क्यू; उज्जैन में युवक बहा, जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड, रोड बंद

एजेंसी

नई दिल्ली। मानसून देश के लगभग सभी राज्यों में पहुंच चुका है। राजस्थान-गुजरात के कुछ हिस्से बाकी हैं, हालांकि उससे पहले गुजरात में बारिश के चलते बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। गुजरात के मेंडरडा इलाके में समधियाला गांव के पास बाढ़ के पानी में चार गाड़ियां फंस गईं। जिसमें से 19 लोगों का रेस्क्यू किया गया। उधर महाराष्ट्र के भिवंडी में बाजार में करीब 3 फीट तक पानी भर गया।

दुकानें बंद हो गईं। लोग कमर तक डूबकर सड़क पार कर रहे हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश के बाद सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। मध्य प्रदेश के भोपाल-इंदौर समेत 26 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। उज्जैन में पुलिया पार करने की कोशिश में युवक मोटरसाइकिल समेत बह गया। यूपी के 20 जिलों में बारिश हुई। कानपुर में GSVM मेडिकल कॉलेज में पानी भर गया। कारें-बाइक आधी डूब गई। वहीं जम्मू-कश्मीर में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड के चलते रामनगर-उधमपुर रोड बंद कर दी गई।

महाराष्ट्र में बारिश: मुंबई, ठाणे और आसपास के जिलों में 7 जुलाई तक हाई अलर्ट

महाराष्ट्र के कई जिलों में 7 जुलाई तक बारिश का हाई अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि कई इलाकों में सप्ताहांत के दौरान 200 मिमी से 250 मिमी तक भारी बारिश हो सकती है।

अधूरी सड़क और गंदी नालियों की वजह से चच हाई स्कूल के पास भरा बारिश का पानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पंचमहल। मॉनसून की पहली बारिश ने ही डेवलपमेंट के बड़े-बड़े दावे करने वाली कलोल तालुका पंचायत और वेजलपुर ग्राम पंचायत की पोल खोल दी है। लाखों रुपये की लागत से हो रहे डेवलपमेंट के काम सिर्फ कागजों पर चमक रहे हैं, वेजलपुर में घाट दिख रहा है। ग्राम पंचायत एरिया के स्कूल में घुटनों तक गंदा पानी भरा होने की वजह से छोटे-छोटे बच्चे और स्टूडेंट्स नरक जैसे हालात से गुजरकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। अधिकारियों की AC केबिन कल्चर वाली सोच और कॉन्ट्रैक्टर की घटिया प्लानिंग की वजह से आज वेजलपुर के पेरेंट्स और गांव वालों में भारी गुस्सा है। लोकल लोगों के तीखे आरोपों के मुताबिक, एडमिनिस्ट्रेशन का किया गया काम पूरी तरह से बिना सोचे-समझे की गई प्लानिंग है। स्कूल जाने वाली मेन रोड के ऊपर की तरफ की सड़क तो बना दी गई और उसे ऊंचा कर दिया गया, लेकिन स्कूल के पास का मेन हिस्सा अधूरा छोड़ दिया गया, जैसे उसे करप्शन से बनाया गया हो। नतीजा यह हुआ कि पूरी सड़क खड़ी हो गई और आस-पास के इलाके का सारा बारिश का पानी इस नीची अधूरी सड़क पर और स्कूल के एंट्रेंस के पास जमा हो गया। प्रशासन और पंचायत के नेता इतने बहरे हो गए हैं कि उन्हें जनता की चीखें सुनाई नहीं दे रही हैं? क्या इस गंदे पानी की वजह से कोई बच्चा गंभीर बीमारी से पीड़ित है या किसी बड़ी मुसीबत का इंतजार किया जा रहा है? वेजलपुर के लोगों ने साफ चेतावनी दी है

गुजरात की एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज़ करप्शन का अड्डा? अब कमान एक 'खास आदमी' के हाथ में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/दांतीवाड़ा। गुजरात की एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज़ में चल रहे कथित करप्शन के खेल के बीच एक और बड़ा धमाका हुआ है। हिमाचल प्रदेश के डॉ. चंदेल को सरदार कृषीनगर (स्चनगर) दांतीवाड़ा एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी का चांसलर अपॉइंट किया गया है। चर्चा है कि डॉ. चंदेल महामहिम गवर्नर श्री आचार्य देवव्रतजी के बहुत खास और भरोसेमंद आदमी हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह अपॉइंटमेंट यूनिवर्सिटीज़ को बचा पाएगी या विवादों का एक नया चैप्टर शुरू होगा?

सरकार चुप क्यों है? सत्ता के गलियारों में सुगबुगाहट

गुजरात की एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज़, जो लाखों किसानों और स्टूडेंट्स के भविष्य से जुड़ी हैं, इस समय करप्शन के आरोपों से हिल रही हैं। हैरानी की बात यह है कि सरकार इस पूरे खेल पर चुप बैठी है। एजुकेशन और एग्रीकल्चर सेक्टर में ट्रांसपेरेंसी का दावा करने वाली सरकार इस बारे में कुछ भी कहने को तैयार क्यों नहीं है? यूनिवर्सिटीज़ में चल रही गड़बड़ियों पर आंखें मूंदने के पीछे असली वजह क्या है? कोई बेगुनाह नहीं! नए बने वाइस-चांसलर भी विवादों में? सबसे बड़ा और चौंकाने वाला आरोप यह है कि गुजरात की एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटीज़ का एक भी वाइस-चांसलर करप्शन के आरोपों से बचा नहीं है। शक की सुई हर जगह है। इतना ही नहीं, नए बने डॉ. चंदेल, जिनके कंधों पर अब एसकेनगर एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी की ज़िम्मेदारी है, उन पर भी पहले गंभीर आरोप लग चुके हैं। चर्चाओं ने ज़ोर पकड़ा।

जूनागढ़ में मेघतांडवः सोमनाथ-द्वारका हाईवे बह गया, घंटों तक भयानक ट्रैफिक जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जूनागढ़/वेरावल। जूनागढ़ में भारी बारिश ने प्रशासन के प्री-मॉनसून प्लान को बिगाड़ दिया है। सौराष्ट्र के दो सबसे बड़े धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाला सोमनाथ-द्वारका नेशनल हाईवे भारी बारिश के कारण मगरमच्छ की पीठ जैसा हो गया है। हाईवे पर इतने भयानक गैप हैं कि यह पहचानना मुश्किल हो गया है कि यह सड़क है या गड्डें। इस हाईवे पर कल देर रात से एक किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लगा हुआ है, जिसमें हजारों वाहन चालक और तीर्थयात्री आधी रात से भूखे-प्यासे फंसे हुए हैं।

आसमान से दिखा तबाही का मंजरः ड्रोन से ली गई तस्वीरें सामने आईं

इस कुदरती आफत और प्रशासन की लापरवाही की असली तस्वीर तब सामने आई जब ड्रोन कैमरे से ली गई पूरी स्थिति की चौंकाने वाली तस्वीरें सामने आईं। ड्रोन फुटेज में साफ दिख रहा है कि पूरा नेशनल हाईवे गाड़ियों की लंबी कतारों से जाम है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्डें देखकर ऐसा लग रहा है जैसे किसी जंग के मैदान में बमबारी हुई हो! करोड़ों की लागत से बने हाईवे की ऐसी दुर्दशा देखकर लोगों में भारी गुस्सा है। मीडिया में भारी हंगामे और खबरों के बाद, नेशनल हाईवे अथॉरिटी आखिरकार अपनी नींद से जागी है। सड़क पर इस गंभीर स्थिति को हल करने के लिए, युद्ध स्तर पर गड्डें भरने का काम शुरू हो गया है। JCB और मजदूरों की फौज लगाकर सड़क की मरम्मत की योजना बनाई जा रही है, ताकि घंटों से फंसे ट्रैफिक को जल्द से जल्द आसान बनाया जा सके।

मॉनसून की शुरुआत में बोडेली ओरसांग ब्रिज गिरा, ट्रैफिक रुका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। मॉनसून अभी शुरू ही हुआ है, लेकिन एडमिनिस्ट्रेशन के प्री-मॉनसून ऑपरेशन में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। छोटा उदयपुर जिले को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे पर बोडेली के पास अहम ओरसांग ब्रिज गिर गया है। इस घटना से ब्रिज की खस्ता हालत को देखते हुए एडमिनिस्ट्रेशन में खलबली मच गई है। ओरसंग ब्रिज गिरने के बाद लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस मौके पर पहुंची। सिक्योरिटी के तौर पर धोरेन ब्रिज से सभी तरह की गाड़ियों को पूरी तरह रोक दिया गया है। पुलिस ने गाड़ी चलाने वालों को सख्त हिदायत दी है कि उन्हें कोई बड़ी दिक्कत न हो। हैरानी की बात यह है कि इस खस्ताहाल ओरसांग ब्रिज के एक तरफ पिछले कई सालों से रिपेयर का काम चल रहा था। अथॉरिटी के रिपेयर पूरा करने से पहले ही ब्रिज में एक बड़ा गैप आ गया है, जिससे 'एक कनेक्शन टूटा तेरह' जैसी हालत हो गई है। अब लोकल लोग लाखों-करोड़ों रुपये की लागत से हो रहे सरकारी रिपेयर के काम की क्वालिटी पर भी सवाल उठा रहे हैं। अभी तो सिर्फ़ एक-दो बारिश के मौसम ही हुए हैं, लेकिन हाईवे के मेन पुल की ऐसी दयनीय हालत को लेकर पूरे ज़िले के लोग परेशान हैं। लोकल लोगों के मुताबिक, सिर्फ़ ओरसांग पुल ही नहीं, बल्कि ज़िले के कई दूसरे छोटे-बड़े पुल भी बहुत खराब और टूटी-फूटी हालत में हैं। अगर मॉनसून की शुरुआत में ही यह हाल है, तो आने वाले दिनों में जब भारी बारिश होगी तो क्या होगा? 'असली मॉनसून में क्या होगा, अब तो भगवान ही जाने!' लोग आहें भर रहे हैं। लोकल लोग अब मांग कर रहे हैं

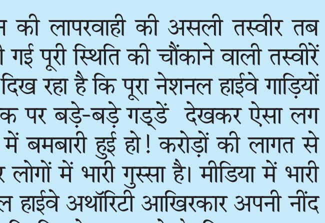

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

करोड़ों का महाघोटाला और सत्ताधीशों के मुंह में 'नोटों का ठूंसा'

कर्जण के फतेहपुर में रेत माफियाओं का तांडव

फतेहपुर में रेत माफिया राज का आरोपः पंचायत की कुर्सी पर पत्नी, करोड़ों के खेल का कंट्रोल पति के हाथ! रेत माफिया के आगे प्रशासन बेबस या मिलीभगत?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

कर्जण (गुजरात)। गुजरात सरकार एक तरफ जहां सूबे को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के ढोल पीट रही है, वहीं दूसरी तरफ कर्जण तालुका की फतेहपुर ग्राम पंचायत में अंजाम दिए गए करोड़ों रुपये के रेत खनन महाघोटाले की गूंज गांधीनगर के सत्ता के गलियारों को हिला रही है। सूत्रों से मिली रूह कंपा देने वाली जानकारियों के मुताबिक, फतेहपुर ग्राम पंचायत में लोकतंत्र का सरेआम चीरहरण कर पंचायत का पूरा कामकाज चुनी हुई महिला सरपंच के बजाय उनके दबंग पतिदेव चला रहे हैं और सरकारी खजाने को चूना लगाकर अपनी जेबें गरम कर रहे हैं।

पत्नी सिर्फ मुखौटा, पति सर्वेसर्वाः 2017 से चल रहा है बकुल पटेल का एकछत्र राज

फतेहपुर ग्राम पंचायत में इस समय हर्षाबेन बकुल पटेल कहने को तो सरपंच पद की कुर्सी पर काबिज हैं, लेकिन गांव का असली काला कारोबार बकुल पटेल नाम का शख्स अपनी उंगलियों के इशारे पर चला रहा है। यह कोई नया खेल नहीं है। इससे पहले जब बकुल पटेल के भाई जयेश भोगीलाल पटेल की पत्नी नीमाबेन पटेल उपसरपंच थीं, तब भी सत्ता की असली कमान इसी बकुल पटेल के हाथ में थी। साल 2017 से ग्राम पंचायत के कामकाज में सरेआम दखलंदाजी करने और गांव के सीधे-साधे लोगों को डरा-धमकाकर फर्जी प्रस्ताव (ठराव) तैयार कराने के बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। इन्हीं फर्जी प्रस्तावों के दम पर अवैध रूप से रेत माफियाओं को करोड़ों की लीज खैरात में बांट दी गई और कुदरती संपदा का सौदा किया गया। इतना ही नहीं, साल 2021 से गायों के चरने वाली पवित्र गोचर भूमि को भी रेत माफियाओं के हवाले कर रास्ता निकालने के फर्जी प्रस्ताव पास किए गए और प्राकृतिक संसाधनों की बेखौफ लूट मचाई गई।

गांव का विकास शून्य, नेताजी की संपत्ति करोड़ों में!

नर्मदा नदी के सीने को चीरकर निकलने वाली रेत और कंकड़ की करोड़ों रुपये की रॉयल्टी और सरकारी ग्रांट फतेहपुर गांव के विकास के लिए आनी थी। लेकिन कड़वी हकीकत यह है कि फतेहपुर गांव में विकास के नाम पर सिर्फ सिफर (शून्य) है और तबाही का नंगा नाच चल रहा है। गांव के विकास का पैसा कहां गायब हो गया, यह एक बड़ा यक्ष प्रश्न है। पंचायत के भ्रष्ट तलाटी (सचिव) और सरपंच की मिलीभगत से अंजाम दिए गए इस भ्रष्टाचार की बदौलत स्वघोषित सर्वेसर्वा बकुल पटेल ने बेहद कम समय में करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति का साम्राज्य खड़ा कर लिया है, जिसकी चर्चा आज पूरे इलाके में है। TDO और DDO द्वारा इस मामले की जांच भी की गई थी, जिसमें ग्राम पंचायत के रोजमेल (खाता-बही) में भारी वित्तीय हेराफेरी की बात आधिकारिक रिपोर्ट में सामने आई थी। यह पूरा घोटाला स्टेट विजिलेंस (सतर्कता विभाग) की टेबल तक जा पहुंचा है, लेकिन किस राजनीतिक दबाव के चलते आज तक इन भ्रष्टाचारियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, यह अपने आप में बड़ा सवाल है।

विधायक अक्षय पटेल पर संगीन आरोप

जब रक्षक ही बन जाए भक्षक?

इस पूरे काले कारोबार के पीछे कर्जण विधानसभा के विधायक अक्षय पटेल का हाथ होने के बेहद गंभीर और सनसनीखेज आरोप लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का साफ कहना है कि बकुल पटेल का असली गॉडफादर कोई और नहीं बल्कि खुद विधायक अक्षय पटेल हैं। इस मामले में विधायक से गुहार लगाने के बावजूद उन्होंने रहस्यमयी चुप्पी साध ली, जिससे यह साफ होता है कि वे खुद भी खनन माफियाओं के साथ सीधे जुड़े हुए हैं। चुनाव के वक्त बाहरी उम्मीदवार के रूप में आए अक्षय पटेल भाजपा में शामिल तो हो गए, लेकिन इससे न तो पार्टी को और न ही कर्जण की भोली जनता को कोई फायदा हुआ। फायदा हुआ तो सिर्फ अक्षय पटेल को, जिनकी तिजोरियों में रातों-रात करोड़ों रुपये का इजाफा हो गया। जो विधायक खुद भ्रष्टाचारियों और खनन माफियाओं का पालनहार बना बैठा हो, वह कर्जण विधानसभा का क्या खाक विकास करेगा? यह सुलगता हुआ सवाल अब जनता पूछ रही है। हालांकि, विधायक के तौर पर उनके आधिकारिक रिकॉर्ड पर कोई सक्रिय आपराधिक मामला साबित नहीं हुआ है, लेकिन विवादों का काला साया उनके इर्द-गिर्द हमेशा मंडराता रहता है।

विधायक के परिवार का खूनी इतिहासः बेटे ऋषि पटेल का आतंक और कृत्य!

विधायक अक्षय पटेल भले ही खुद को दूध का धुला बताएं, लेकिन उनके परिवार और खासकर उनके बेटे ऋषि पटेल के खिलाफ दर्ज संगीन और खूनी मुकदमे कुछ और ही भयानक दास्तान बयां करते हैं।

1. मई 2026: बेटे ऋषि पटेल पर एट्रोसिटी और बेरहमी से मारपीट का घातक केस

कर्जण के नाकेश्वर और लीलोड इलाके में रेत की लीज के काले धंधे से जुड़े विधायक के बेटे ऋषि पटेल ने रेत का डंपर चलाने वाले दो गरीब आदिवासी ड्राइवरों (नटवर वसावा और गिरीश वसावा) पर डीजल चोरी का मनगढ़ंत आरोप मढ़ दिया। 15 मई 2026 को इन ड्राइवरों को बकापुर स्थित अपनी ऑफिस में बंधक बना लिया गया और कानून को ठेंगे पर रखकर लोहे के पाइप से बेरहमी से पीटा गया। शिकायत के मुताबिक, पीड़ितों को रस्सियों से उल्टा लटकाकर प्लास्टिक के पाइपों से तब तक लहूलुहान किया गया जब तक वे अधमरे नहीं हो गए। साथ ही जातिसूचक गंदी गालियां देकर इंसानियत को शर्मसार किया गया।

इस वारदात के बाद आदिवासी समाज में बारूद जैसा आक्रोश भड़क उठा। सोशल मीडिया पर भारी बवाल और पुलिस स्टेशन के घेराव की चेतावनी के बाद, सीधे गांधीनगर से आदेश छूटने पर 22 मई 2026 को कर्जण के वलण पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत दर्ज होने के चौथे दिन आतंक का पर्याय बने ऋषि पटेल सहित उसके पांचों गुर्गों (जयदत्तसिंह राज, शाहिल पटेल, जावेदखान पठान और विजयसिंह राजपूत) ने पुलिस के सामने घुटने टेके और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम (Atrocities Act) और गंभीर चोट पहुंचाने की धारा BNS 117(2) (महाव्यथा पहुंचाना, जिसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है) के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच डिप्टी एसपी को सौंप दी है।

2. 2021: हिट एंड रन - रफ्तार के कहर ने ली मासूम की जान

इसके अलावा अप्रैल 2021 में भी विधायक के बेटे ऋषि पटेल के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज हुई थी। कर्जण के मेथी गांव में लापरवाही और तेज रफ्तार से दौड़ रही ऋषि पटेल की कार ने नागजीभाई पटेल नाम के एक अधेड़ शख्स को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस मामले में कर्जण पुलिस स्टेशन में लापरवाही से गाड़ी चलाकर मौत घाट उतारने का मामला दर्ज हुआ था। सत्ता के नशे में चूर होकर गरीबों को कीड़े-मकौड़ों की तरह कुचलना इस परिवार की फितरत बन चुका है।

3. सूदखोरी और रंगदारी के सनसनीखेज आरोप

विधायक अक्षय पटेल और उनका परिवार अक्सर कानून को अपनी जेब में रखकर घूमने के आरोपों से घिरा रहा है। साल 2021 में कर्जण के लीलोड गांव का एक युवक रहस्यमयी तरीके से लापता हो गया था, तब उसके लाचार परिवार ने विधायक और उनके बेटे पर भारी सूदखोरी (व्याजखोरी) और प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया था। इसी तरह साल 2022 में एक अन्य स्थानीय किसान ने विधायक द्वारा जान से मारने की धमकी दिए जाने के खिलाफ कलेक्टर को लिखित शिकायत देकर न्याय की भीख मांगी थी।

'महानगर मेट्रो' का सीधा सवाल

'महानगर मेट्रो' न्यूज पेपर पंचायत से लेकर सचिवालय तक एयरकंडीशन्ड केबिनों में बैठे तमाम जिम्मेदार हुक्मरानों का गिरेबान पकड़कर पूछता है कि, इस करोड़ों के रेत घोटाले के असली आकाओं पर कानून का हंटर कब चलेगा? सत्ता के दम पर गरीबों और आदिवासियों पर जानवरों जैसा अत्याचार करने वाले इन रसूखदार 'नेतापुत्रों' की अकड़ कब ढीली होगी? क्या जनता के टैक्स का पैसा और देश की प्राकृतिक संपदा यूं ही इन सफेदपोश माफियाओं की तिजोरियां भरने में लुटती रहेगी? जनता अब इस खूनी और भ्रष्ट खेल का सीधा जवाब चाहती है!

प्रशासन की घोर लापरवाहीः मामलतदार से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार, नतीजा सिफर

साल 2013 से कर्जण तालुका में बेधड़क अवैध रेत और मिट्टी का खनन किया जा रहा है। वडोदरा खान एवं खनिज विभाग को इस संबंध में कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दी गईं, लेकिन भ्रष्ट अधिकारी कानों में उंगली और आंखों पर पट्टी बांधकर तमाशा देख रहे हैं। कर्जण के मामलतदार और एसडीएम शिवम बारिया को भी स्थानीय लोगों ने उग्र आक्रोश के साथ घेरकर शिकायतें सौंपी थीं, लेकिन कुंभकर्णी नींद में सोया प्रशासन जागने को तैयार नहीं है। गांधीनगर खनिज विभाग और राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तक शिकायतें पहुंचने के बावजूद खनन माफियाओं के सिर पर कानून का कोई खौफ नहीं दिखता। रात के अंधेरे में नर्मदा नदी के पट में प्रतिबंधित भारी पोकलेन और बाज मशीनें उतारकर खुलेआम प्राकृतिक संपदा की चोरी की जा रही है।

इंसानियत की एक बेहतरीन मिसाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। करनेट गांव में नर्मदा नहर में गिरी एक गाय को काफी कोशिशों के बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। मानसून के मौसम में जानवरों के फिसलने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, लेकिन डभोई तालुका के करनेट गांव से इंसानियत दिखाने वाली एक घटना सामने आई है। करनेट गांव से गुजरने वाली नर्मदा मेन नहर के पास चर रही एक गाय अचानक बारिश की वजह से फिसल गई और गहरे नहर के तेज़ पानी में गिर गई। उप्र सरपंच और गांववालों की टीम ने तुरंत कार्रवाई की। बस्ती के लोकल दोस्तों ने तुरंत करनेट गांव के उप्र सरपंच अजयभाई भाटिया को बताया कि गाय नहर में गिर गई है। अजयभाई और उनकी टीम ने तुरंत टाइम इंडिकेटर का इस्तेमाल करके नर्मदा कॉर्पोरेशन और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट से कॉन्टैक्ट किया। लेकिन, सरकारी सिस्टम से मदद पहुंचने में देर होने की वजह से गाय माता की जान खतरे में पड़ गई। चूंकि सरकारी सिस्टम का इंतज़ार करने में बहुत देर हो चुकी थी, इसलिए गाय की जान बचाना हमारी पहली प्राथमिकता थी। करनेट के डिप्टी सरपंच अजयभाई भाटिया ने एक प्राइवेट क्रेन बुलाकर दिल दहला देने वाला रेस्क्यू किया। गाय माता की जान बचाने के लिए डिप्टी सरपंच अजयभाई ने बिना किसी देरी के तुरंत अपने खर्चे पर एक प्राइवेट क्रेन (हाइड्रा) मशीन मौके पर बुलाई। उसके बाद उनकी टीम और बस्ती के लोकल युवाओं ने कड़ी मेहनत की और अपनी जान जोखिम में डालकर क्रेन चलाकर गाय को सुरक्षित नहर से बाहर निकाला। इंसानियत की सच्ची मिसाल। नहर से निकालने के बाद गाय माता को स्वस्थ होने पर छोड़ दिया गया। सरकारी सिस्टम का इंतज़ार किए बिना, अपनी समझदारी और जनभागीदारी से मासूमों की जान बचाकर, उप सरपंच अजयभाई भाटिया और उनकी पूरी टीम ने समाज को इंसानियत और दया की एक बेहतरीन मिसाल दी है, जिसकी इलाके में बहुत तारीफ़ हो रही है।

वडोदरा में प्री-मॉनसून प्लानः जेतलपुर ब्रिज के पास स्विमिंग पूल जैसा हाल, स्मार्ट सिटी के नाम पर पब्लिक हैरान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल्चरल सिटी वडोदरा को 'स्मार्ट सिटी' बनाने का दावा करने वाली कॉर्पोरेशन का सिस्टम पहली ही बारिश में एक बार फिर बह गया है। वडोदरा शहर के सबसे बिज़ी माने जाने वाले जेतलपुर ब्रिज के पास बारिश का पानी भर जाने से गाड़ी चलाने वालों का हाल बेहाल हो गया है। करोड़ों रुपये की लागत से सड़कें और ओवरब्रिज बना रही म्युनिसिपैलिटी के पास इस पानी को निकालने का कोई पक्का इंतज़ाम न होने से अब पब्लिक सवाल पूछ रही है कि करोड़ों रुपये कहां गए। हाई-टेक ब्रिज के ठीक बगल में जलभराव, गाड़ी चलाने वाले जान जोखिम में डालकर पार करने को मजबूर! जेतलपुर ब्रिज के ठीक बगल में घुटनों तक पानी भर जाने से पूरी सड़क बंद हो गई है। इस मेन रोड से गुजरने वाले हज़ारों कर्मचारियों, बिज़नेसमैन और गाड़ी चलाने वालों को आने-जाने में बहुत मुश्किल हो रही है। गाड़ियां पानी में फंसने से लोग घंटों फंसे रहते हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन के इंजीनियरों की खराब परफॉर्मेंस की वजह से आज शहर के लोगों को नारकीय हालात झेलने पड़ रहे हैं

करोड़ों रुपये के प्री-मॉनसून काम सिर्फ कागजों पर हो रहे हैं, अधिकारी कब जागेंगे?

मॉनसून शुरू होने से पहले वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्री-मॉनसून काम के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करता है। लाइनों की सफाई और कंसल्टेंट हायर करने के भारी-रकम बिल पास किए जाते हैं, लेकिन असलियत यह है कि नॉर्मल बारिश होते ही सारा दावा खोखला साबित हो जाता है। जेतलपुर ब्रिज के पास इस वॉटरलॉगिंग ने साबित कर दिया है कि वडोदरा एडमिनिस्ट्रेशन सिर्फ कागजों पर ही मॉनसून की तैयारी कर रहा है।

बड़ा सवालः अगर मॉनसून की शुरुआत में जेतलपुर जैसे VIP इलाके का यह हाल है, तो आने वाले दिनों में भारी बारिश में अगर पूरा वडोदरा पानी में डूब गया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा?

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

कमिश्नर उन कॉन्ट्रैक्टर और भ्रष्ट अधिकारियों पर कब आंखें मूंदेंगे जो

हर साल प्री-मॉनसून काम के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं? पुल के आसपास पानी भरने की इस पुरानी समस्या के बावजूद, इसका पक्का ड्रेनेज प्लान क्यों नहीं बनाया गया?

स्मार्ट सिटी टैक्स के नाम पर जनता से लूटने वाला प्रशासन सुविधाएं देने के नाम पर हमेशा लाचार क्यों साबित होता है?

वडोदरा के लोग अब प्रशासन के खोखले वादों से तंग आ चुके हैं। यह ज़रूरी है कि जेतलपुर ब्रिज के पास जमा पानी जल्द से जल्द कम हो और लोगों को इस परेशानी से राहत मिले। 'पाको गुजरात' जनता के गुस्से को सत्ता के गलियारों तक पहुंचाता रहेगा।

गिफ्ट सिटी स्कैमः शूट स्पेस डिजिटल स्कैम में 12 हज़ार इन्वेस्टर बर्बाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात की शान गिफ्ट सिटी के नाम पर किए गए 'शूट स्पेस डिजिटल' स्कैम में हर दिन नए और चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। भोले-भाले इन्वेस्टर को रातों-रात अमीर बनने के सपने दिखाकर करोड़ों रुपये कमाने वाले इस स्कैम में अब डिजिटल लूट का पूरा आंकड़ा सामने आ गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि स्कैमर ने 12,000 से ज़्यादा आम इन्वेस्टर के पैन कार्ड का गैर-कानूनी तरीके से गलत इस्तेमाल करके करोड़ों रुपये हड़प लिए हैं। पैसा गया और टैक्स नोटिस भी आएगा! CA की फौज मैदान में यह स्कैम इतने सिस्टमैटिक और प्लान्ड तरीके से किया गया है कि जांच एजेंसियों को अब इसके लिंक खोलने के लिए एक्सपर्ट चार्टर्ड अकाउंटेंट की पूरी फौज लगानी पड़ी है। एक्सपर्ट CA की मदद से इस स्कैम के फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन कहां-कहां से जुड़े हैं, इसकी डिटेल में जांच की जा रही है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस बात की बहुत ज़्यादा संभावना है कि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट भविष्य में उन 12,000 लोगों को बड़े नोटिस जारी करेगा जिनके पैन कार्ड का गलत इस्तेमाल हुआ है। यानी इन्वेस्टर्स का असली पैसा तो पहले ही डूब चुका है, और अब कानूनी परेशानी झेलने की बारी उनकी है हज़ारों परिवारों के घरों में अंधेरा करने और करोड़ों रुपये जलाने वाले इस बड़े स्कैम का असली मास्टरमाइंड उत्पल पटेल अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है। उत्पल पटेल स्कैम करके कानून के हाथों से बच निकला है। हाई-टेक और डिजिटल पुलिसिंग का दावा करने वाली एजेंसियां ??अभी तक इस आर्थिक गड़बड़ी को पकड़ नहीं पाई हैं, जिससे इसका शिकार हुए इन्वेस्टर्स में बहुत गुस्सा और कन्फ्यूजन है। सबसे बड़ा सवाल गिफ्ट सिटी जैसे हाई-सिक्योरिटी और रेगुलेटेड ज़ोन के नाम पर इतने बड़े डिजिटल स्कैम का अधिकारियों को पता क्यों नहीं चला? देश का हाई-टेक साइबर सेल और बैंकिंग सिस्टम अब तक चैन की नींद क्यों सोता रहा करोड़ों रुपये लूटने वाला उत्पल पटेल किसी बड़े नाम की छत्रछाया में तो नहीं छिपा है लालची ऐप्स और डिजिटल फ्रॉड पर भरोसा करके जनता को बेसहारा छोड़ने वाली सरकार ऐसे स्कैमर्स के खिलाफ सख्त कानून कब लाएगी पूरा गुजरात देख रहा है कि इन्वेस्टर्स की मेहनत की कमाई डुबोने वाला स्कैमर उत्पल पटेल कब सलाखों के पीछे जाएगा। इन लुटेरों को बेनकाब करने के लिए आखिर तक इन्वेस्टर्स की आवाज़ बनता रहेगा।

संक्षिप्त न्यूज

किसान आंदोलन खत्म कराने के बदले 2 करोड़ मांगने का आरोप, ऑडियो क्लिप से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। किसान आंदोलन को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। किसान नेता हकाभा गढ़वी ने नीलेश ऐरवाडिया पर आंदोलन समाप्त कराने के बदले कथित रूप से 2 करोड़ रुपये मांगने का आरोप लगाया है। गढ़वी ने दावा किया कि इस संबंध में एक कथित ऑडियो क्लिप भी जारी की गई है। आरोपों के बाद किसान संगठनों में चर्चा तेज हो गई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है। नीलेश ऐरवाडिया की ओर से इन आरोपों पर प्रतिक्रिया सामने आना बाकी है।

ऊना में पति ने पत्नी के सिर पर पत्थर मारकर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ऊना। मानेक चौक क्षेत्र में घरेलू विवाद के दौरान पति द्वारा पत्नी की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी कथित तौर पर नशे में था और झगड़े के दौरान उसने पत्नी के सिर पर पत्थर मार दिया। गंभीर चोट लगने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही ऊना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राम मंदिर में चोरी के दावे पर विवाद, विनय कटियार के बयान के बाद जांच की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में कथित चोरी को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। विनय कटियार ने दावा किया कि उन्होंने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री से बात की है। हालांकि, चोरी की प्रकृति, राशि और घटना से जुड़े तथ्य की आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। मामले को लेकर मंदिर ट्रस्ट और प्रशासन की प्रतिक्रिया का इंतजार है तथा निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है।

जंगलेश्वर में 27 लाख के खर्च पर मेयर के बदले बयान से विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। जंगलेश्वर क्षेत्र से जुड़े 27 लाख रुपये के कथित खर्च को लेकर विवाद गहरा गया है। आरोप है कि पहले मेयर ने अनियमित भुगतान मिलने पर वसूली की बात कही, लेकिन अगले दिन रेट कॉन्ट्रैक्ट के तहत भुगतान को सही बताया। इस बदलाव के बाद विपक्ष और नागरिकों ने खर्च की पारदर्शी जांच की मांग उठाई है। राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से मामले पर विस्तृत आधिकारिक स्पष्टीकरण का इंतजार है।

सूरत में 16 दिनों में पांच सड़कें क्षतिग्रस्त, ठेकेदार एजेंसियों को नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। मानसून के शुरुआती 16 दिनों के दौरान पांच प्रमुख सड़कों के क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया है। सड़क निर्माण से जुड़ी पांच एजेंसियों को नगर निगम ने नोटिस जारी किए हैं। खराब सड़कों के कारण वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों ने निर्माण गुणवत्ता की जांच, जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई और नुकसान की भरपाई की मांग की है।

अहमदाबाद के वडाज जंक्शन फ्लाईओवर का काम सुपर फास्ट मोड में: 41 मीटर लंबे स्पैन पर गर्डर लॉन्चिंग शुरू

अहमदाबादवासियों को जल्द से जल्द ट्रैफिक से राहत मिलेगी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मेगा सिटी अहमदाबाद के सबसे व्यस्त और व्यस्त वडाज जंक्शन पर बन रहे फ्लाईओवर ब्रिज के काम को लेकर बहुत ज़रूरी और अच्छी खबर सामने आई है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने वडाज जंक्शन से गांधी आश्रम तक ब्रिज पर 41 मीटर लंबे स्पैन के लिए PG-1 से GP-3 के बीच गर्डर लॉन्चिंग का बहुत ही मुश्किल और ज़रूरी काम युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया है। प्रोजेक्ट को तय समय में पूरा करने के लिए सिस्टम अभी पूरे एक्शन मोड में है।

3 जुलाई की रात से 5 जुलाई तक का टारगेट: प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने का टारगेट!

अहमदाबादवासियों को इस भयानक ट्रैफिक समस्या से जल्द राहत दिलाने के लिए म्युनिसिपैलिटी के इंजीनियर और मजदूरों की एक टीम दिन-रात काम कर रही है। इस गर्डर को लॉन्च करना का बड़ा काम 3 जुलाई की रात से शुरू किया गया है, जिसे हर हाल में 5 जुलाई की रात तक पूरा करने का टारगेट रखा गया है। जैसे ही यह ज़रूरी फेज़ पूरा होगा, वडज जंक्शन फ्लाईओवर प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस में एक नया माइलस्टोन जुड़ जाएगा और तय समय में पूरे ब्रिज को पब्लिक के लिए खोलने में और तेज़ी आएगी।

दिन में रोज की तरह ट्रैफिक: गाड़ी चलाने वालों को परेशानी न हो, ऐसी प्लानिंग!

वडज अहमदाबाद का एक ऐसा इलाका है जहाँ लाखों गाड़ियाँ आती-जाती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए एडमिनिस्ट्रेशन ने ट्रैफिक मैनेजमेंट की बहुत सही प्लानिंग की है। गर्डर लॉन्च करने के इस भारी काम के दौरान रात में सड़क का सिर्फ़ एक साइड बंद किया जा रहा है ताकि गाड़ी चलाने वालों को परेशानी न हो। जबकि दिन में ट्रैफिक रोज़ की तरह

चलता रहता है, ताकि एम्प्लॉई और बिज़नेसमैन को परेशानी न हो। डेवलपमेंट की नई स्पीड: वडज जंक्शन पर इस ब्रिज के बनने से गांधी आश्रम, सुभाष ब्रिज और रानिप की तरफ जाने वाले हज़ारों गाड़ी चलाने वालों का कीमती समय और फ्यूल दोनों बचेगा। क्या AMC के अधिकारी गर्डर लॉन्च के बाद ब्रिज का बचा हुआ काम इतनी ही सुपर-फास्ट स्पीड से पूरा करेंगे? मानसून के मौसम को ध्यान में रखते हुए, ब्रिज की क्वालिटी और मजबूती से कोई समझौता न हो, इसके लिए बड़े अधिकारी कितनी सख्त मॉनिटरिंग कर रहे हैं? 'महानगर मेट्रो' अहमदाबाद के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने वाले इस प्रोजेक्ट के लेटेस्ट अपडेट्स पर नज़र रखेगा। हम शहर के पब्लिक इंटरेस्ट और डेवलपमेंट से जुड़ी हर खबर को लोगों तक सही-सही पहुंचाने के लिए कमिटेड हैं।

भावनगर में LCB की रेड: लाखों की कीमत की 576 विदेशी शराब की बोतलें ज़ब्त, पुलिस ने बूटलेगर्स के नेटवर्क पर कार्रवाई की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। गुजरात में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के बीच, भावनगर डिस्ट्रिक्ट लोकल क्राइम ब्रांच ने काले कारोबारियों के खिलाफ एक और बड़ी और सफल कार्रवाई की है। भावनगर SP के निर्देश पर और LCB PI के गाइडेंस में, पुलिस ने सूचना के आधार पर बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब पर रेड मारी। इस सफल ऑपरेशन से भावनगर जिले के बूटलेगर्स और ड्रग डीलरों में भारी हलचल मच गई है। पुलिस ने एक सीक्रेट घर पर रेड मारी, 576 बोतलें ज़ब्त कीं मिली सटीक जानकारी के अनुसार, भावनगर लोकल क्राइम ब्रांच टीम को खास सूचना मिली थी कि जिले के एक खास इलाके में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब उतारी गई है और इसे कहीं स्मगल करने की कोशिश की जा रही है। LCB स्टाफ ने तुरंत निगरानी रखी और मौके पर रेड मारी तो छोटी-बड़ी, कुल 576 बोतलें भारत में बनी विदेशी शराब की मिलीं। पुलिस ने इस मात्रा में शराब समेत कुल 1,07,760/- रुपये ज़ब्त किए हैं और कानून को हराया है। होम डिपार्टमेंट के सख्त निर्देश, भावनगर पुलिस एक्शन मोड में चीफ मिनिस्टर ऑफिस (ग्रह गुजरात) और होम स्टेट मिनिस्टर हर्ष सांघवी ने गुजरात पुलिस को ड्रग-फ्री गुजरात के संकल्प के साथ बूटलेगरों के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाने के सख्त निर्देश दिए हैं। जिसके तहत IGP भावनगर रेंज और भावनगर पुलिस की टीमें लगातार एक्शन मोड में दिख रही हैं। पुलिस ने अलग-अलग दिशाओं में जांच शुरू कर दी है ताकि इस शराब तस्करी के पीछे कौन से मुख्य बूटलेगर हैं और यह माल कहां से सप्लाई किया जाता था, इसकी तह तक पहुंचा जा सके।

बड़ा सवाल: पुलिस की इतनी सख्त कार्रवाई के बावजूद बूटलेगर गुजरात में इतनी बड़ी मात्रा में शराब की तस्करी कैसे कर लेते हैं? असली मास्टरमाइंड कब पकड़ा जाएगा?

शादी का लालच देकर युवक से 2.40 लाख ऐंठे, दुल्हन दो दिन में ही फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद जिले के झालोद शहर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक भोले-भाले युवक और उसके परिवार को शादी के सपने दिखाकर लाखों की ठगी की गई। पुलिस के पास शिकायत पहुंची है कि 'लुटेरी दुल्हन' और दलालों के जाल में फंसकर एक परिवार ने अपनी जमा-पूंजी के 2.40 लाख गंवा दिए हैं। शिकायत के मुताबिक, जब झालोद के हितेश कुमार पांचाल में शादी के लिए लड़की ढूंढ रहे थे, तो रानियार गांव के कृष्णकांत उर्फ किशनभाई पटेल नाम के दलाल ने उनसे संपर्क किया और कहा कि लड़की मध्य प्रदेश में है। परिवार को मनावर और कुक्षी ले जाकर लड़की को 'ममता चौहान' के नाम से दिखाया गया। लड़की पसंद आ गई तो 'डील' के

नाम पर ?2.40 लाख में शादी तय हो गई। पहले डिपॉजिट के तौर पर पैसे लिए गए, फिर शादी के खर्च के बहाने और पैसे वसूले गए। आखिर में, सिर्फ फूलों से एक अनजान गाँव में नकली शादी की रस्म हुई। शादी के बाद, लड़की दो दिन अपने ससुराल में रही, घर का माहौल और परिवार की हालत जानी। फिर, उसने झूठी कहानी बनाई कि 'चाचा का एक्सीडेंट हो गया है' और घाट पर जाने की बात कही। शिकायत करने वाला उसे मध्य प्रदेश ले गया, जहाँ बस स्टैंड पर एक अनजान आदमी बाइक लेकर आया और लड़की को अपने साथ ले गया। तब से दुल्हन गायब है और उसका फ़ोन बंद है!

इस पूरी घटना से यह साफ़ है कि कुछ ब्रोकर और ठग गैंग शादी की जल्दी और जीवनसाथी की चाहत का फ़ायदा उठाकर भोले-भाले लोगों को टारगेट कर रहे हैं। लड़की का आधार कार्ड दिखाकर उसका भरोसा जीतने की कोशिश भी इस गैंग की पहले से प्लान की हुई चाल मानी जा रही है। समाज में बढ़ रही ऐसी घटनाएं अब चेतावनी बन रही हैं। पैसे लेकर शादी करवाने वाले दलालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और लोगों में जागरूकता लाना आज की ज़रूरत बन गई है।

चन्नी के शक्ति प्रदर्शन से दिल्ली हिली, वड़िंग को हटाने के लिए हाईकमान को अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़/दिल्ली। पूरे देश में अपनी ज़मीन बचाने के लिए जूझ रही कांग्रेस के लिए एक और राज्य से बहुत बुरी खबर आ रही है। पंजाब कांग्रेस में ऐसी भयानक स्थिति पैदा हो गई है कि कभी भी कोई बड़ा धमाका हो सकता है और पूरी पार्टी दो हिस्सों में बंट सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा बुलाई गई एक सीक्रेट मीटिंग में 50 से ज्यादा दिग्गज कांग्रेसी नेता इकट्ठा हुए, जिससे हाईकमान के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। इन नेताओं ने एकमत होकर दिल्ली दरबार को चेतावनी दी है कि अगर मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को तुरंत उनके पद से नहीं हटाया गया, तो पंजाब में कांग्रेस बर्बाद हो जाएगी। कांग्रेस के अंदर चल रही यह अंदरूनी कलह अब चंडीगढ़ की सड़कों तक पहुंच गई है। चन्नी की लीडरशिप में इकट्ठा हुए बागी नेताओं का कहना है कि राजा वड़िंग की तानाशाही और मनमाने फैसलों की वजह से पंजाब में पार्टी बर्बाद हो रही है। सीनियर नेताओं को लगातार इग्नोर किया जा रहा है। हाईकमान के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल चुके इस ग्रुप ने साफ कह दिया है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है। अगर दिल्ली में बैठे नेता समय रहते नहीं जागे तो पंजाब में कांग्रेस का वजूद ही सवालों के घेरे में आ जाएगा। इस पूरी अंदरूनी लड़ाई के बीच सबसे बड़ा भूचाल तब आया जब पंजाब कांग्रेस के एक पुराने MP देश के होम मिनिस्टर अमित शाह से मिलने दिल्ली पहुंच गए! पॉलिटिकल गलियारों में इस बात की खूब चर्चा है कि BJP ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह का सीधा फायदा उठाने के लिए अपनी 'चाणक्य पॉलिसी' शुरू कर दी है। अगर कांग्रेस MP और MLA भगवा रंग अपना लेते हैं।

बिजली टावर के मुआवज़े के ऐलान के पीछे का असली खेल BJP सरकार के ऐलान में किसानों का नहीं, सिर्फ़ 'वोट बैंक' का फ़ायदा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात सरकार के प्रवक्ता ने हाल ही में बिजली टावरों और लाइनों के मुआवज़े को लेकर जो बड़े ऐलान किए हैं, उनके पीछे का असली सच अब सामने आ गया है। भले ही सरकार इस फ़ैसले को ऐतिहासिक और किसानों का हितैषी बताकर अपनी पीठ थपथपा रही हो, लेकिन असलियत यह है कि BJP सरकार को यह फ़ैसला किसी दरियादिली से नहीं, बल्कि गुजरात के किसानों के बढ़ते गुस्से और गुस्से को पहचानकर मजबूरी में लेना पड़ा है। इस ऐलान में किसानों के प्रति संवेदनशीलता कम और भविष्य के राजनीतिक फ़ायदों का हिसाब-किताब ज़्यादा दिखता है।

किसानों पर लाठीचार्ज के बाद अब अफ़सोस के दो शब्द भी नहीं?

सबसे बड़ा और सबसे सेंसिटिव सवाल यह है कि इन्हीं बिजली कंपनियों ने पहले भी गुजरात के कई इलाकों में अपने टावर लगाने के लिए किसानों की ज़मीन ज़बरदस्ती ली थी। अपने ही खेतों में इंसाफ़ मांग रहे अन्नदाताओं को दबाने के लिए सरकार की भाड़े की पुलिस का इस्तेमाल किया गया था, और किसानों पर हो रहे ज़ुल्म को दबाया गया था। इस पूरे ऐलान के दौरान, सरकार के स्पोक्सपर्सन के मुंह से पीड़ित किसानों के लिए अफ़सोस या माफ़ी के दो शब्द भी क्यों नहीं निकले? क्या सत्ता के नशे में चूर किसानों के आंसू बेकार हैं? सरकार की तरफ़ से प्रेस कॉन्फ्रेंस में तीन मुख्य बातें बार-बार उठाई गईं ज़मीन के मार्केट प्राइस से दोगुना मुआवज़ा दिया जाएगा। मुआवज़े का पैसा किश्तों में नहीं, बल्कि एक बार में दिया जाएगा। सरकार ने इन तीनों मुद्दों को समझाने में 30 मिनट की कीमती स्टोरी खर्च की, लेकिन स्पोक्सपर्सन इस फ़ैसले को लेने में सरकार के अपने योगदान पर चुप रहे! असल में, यह नई मुआवज़ा पॉलिसी केंद्र सरकार और कोर्ट की गाइडलाइंस के दबाव में लानी पड़ी है।

चन्नी के शक्ति प्रदर्शन से दिल्ली हिली, वड़िंग को हटाने के लिए हाईकमान को अल्टीमेटम

पंजाब कांग्रेस में भयानक फूट की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंडीगढ़/दिल्ली। पूरे देश में अपनी ज़मीन बचाने के लिए जूझ रही कांग्रेस के लिए एक और राज्य से बहुत बुरी खबर आ रही है। पंजाब कांग्रेस में ऐसी भयानक स्थिति पैदा हो गई है कि कभी भी कोई बड़ा धमाका हो सकता है और पूरी पार्टी दो हिस्सों में बंट सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा बुलाई गई एक सीक्रेट मीटिंग में 50 से ज़्यादा दिग्गज कांग्रेसी नेता इकट्ठा हुए, जिससे हाईकमान के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। इन नेताओं ने एकमत होकर दिल्ली दरबार को चेतावनी दी है कि अगर मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को तुरंत उनके पद से नहीं हटाया गया, तो पंजाब में कांग्रेस बर्बाद हो जाएगी। कांग्रेस के अंदर चल रही यह अंदरूनी कलह अब चंडीगढ़ की सड़कों तक पहुंच गई है। चन्नी की लीडरशिप में इकट्ठा हुए बागी नेताओं का कहना है कि राजा वड़िंग की तानाशाही और मनमाने फैसलों की वजह से पंजाब में पार्टी बर्बाद हो रही है। सीनियर नेताओं को लगातार इग्नोर किया जा रहा है। हाईकमान के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल चुके इस ग्रुप ने साफ कह दिया है कि अब समझौते की कोई गुंजाइश नहीं है। अगर दिल्ली में बैठे नेता समय रहते नहीं जागे तो पंजाब में कांग्रेस का वजूद ही सवालों के घेरे में आ जाएगा। कांग्रेस MP की दिल्ली में अमित शाह से सीक्रेट मीटिंग क्या BJP बाजी जीत पाएगी? इस पूरी अंदरूनी लड़ाई के बीच सबसे बड़ा भूचाल तब आया जब पंजाब कांग्रेस के एक पुराने MP देश के होम मिनिस्टर अमित शाह से मिलने दिल्ली पहुंच गए! पॉलिटिकल गलियारों में इस बात की खूब चर्चा है कि BJP ने कांग्रेस की अंदरूनी कलह का सीधा फायदा उठाने के लिए अपनी 'चाणक्य पॉलिसी' शुरू कर दी है। अगर कांग्रेस MP और MLA भगवा रंग अपना लेते हैं तो इसका झटका सिर्फ पंजाब में ही नहीं बल्कि नेशनल लेवल पर राहुल गांधी की स्ट्रैटेजी को भी लगेगा।

बड़ा सवाल: पंजाब में, जहां कांग्रेस अपनी वापसी का सपना देख रही है, वहां उसके अपने नेता ही पार्टी को डुबाने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? क्या यह बगावत कांग्रेस-मुक्त पंजाब की ओर एक नया इशारा है?

'महानगर मेट्रो' से तीखे सवाल:

देश बचाने की बात करते हुए, कांग्रेस अपने ही राज्यों में अपने नेताओं को क्यों नहीं बचा पा रही है? क्या चरणजीत सिंह चन्नी का यह गुस्सा सच में पार्टी बचाने के लिए है या सत्ता वापस पाने की आखिरी लड़ाई है? अमित शाह से MP की मीटिंग के बाद, क्या पंजाब में भी मध्य प्रदेश या महाराष्ट्र जैसा कोई राजनीतिक खेल खेला जाएगा? पंजाब कांग्रेस में लगी यह आग अब दिल्ली तक पहुंच गई है। या तो हाईकमान को झुकना पड़ेगा या पंजाब में कांग्रेस के टुकड़े-टुकड़े हो जाएंगे। महानगर मेट्रो पूरे देश में इस राजनीतिक उथल-पुथल पर कड़ी नज़र रखेगा।

इदर में पूरे मुस्लिम समुदाय ने राज्य अधिकारी को शिकायत दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। इदर में मुस्लिम समुदाय की तरफ से राज्य अधिकारी को शिकायत दी गई। यह शिकायत नाज़िया इलाही खान के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग के साथ की गई। शिकायत में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल (कोलकाता) की रहने वाली नाज़िया इलाही खान ने हाल ही में सोशल मीडिया और अलग-अलग इंटरव्यू में हज़रत मुहम्मद और पवित्र कुरान के बारे में बहुत ही अभद्र और अश्लील कमेंट किए हैं। इस हरकत से पूरे भारत में मुस्लिम समुदाय की आस्था और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। मुस्लिम जमात ने नाज़िया इलाही खान के खिलाफ इंडियन पीनल कोड की धारा 299 और IT एक्ट की धारा 67 के तहत सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस हरकत को भारतीय कानून के तहत एक गंभीर आपराधिक काम बताया गया है। शिकायत में आगे कहा गया है कि नाज़िया खान ने जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया है।

डभोई नगर पालिका के पाप धुल गए: महुडी भागोल से परबाड़ी तक की सड़क आम बारिश में खराब,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शादी का लालच देकर युवक से 2.40 लाख ऐंठे, दुल्हन दो दिन में ही फरार डभोई। मानसून शुरू होने में बस कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन डभोई नगर पालिका की प्री-मानसून प्लानिंग की हवा निकल गई है। भ्रष्टाचार के कीचड़ में डूबे सिस्टम की खोखली कार्यप्रणाली चंद बारिश में ही सामने आ गई है। डभोई में बहुत बिज़ी मानी जाने वाली महुडी भागोल से परबाड़ी तक की मेन सड़क पहले ही बारिश में पूरी तरह धुल चुकी है। करोड़ों रुपये के सड़क बिल पास करके, ए चैंबर में बैठने वाले अधिकारियों के पापों की वजह से आज स्थानीय निवासी, गाड़ी चलाने वाले और पैदल चलने वाले लोग नारकीय पीड़ा झेलने को मजबूर हैं। सबसे हैरानी और हैरानी की बात यह है कि जिस इलाके में यह गंभीर समस्या पैदा हुई है, वहां के वार्ड नंबर 4 के पार्षद और नगर पालिका के डिप्टी चेयरमैन खुद उसी इलाके के रहने वाले हैं! सत्ता के नशे में चूर हुक्मरानों को अपने ही इलाके में पैदा हुई यह भयानक दुर्दशा दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय लोगों में चर्चा है कि प्रशासन को सिर्फ सरकारी कार्यक्रम करके सुर्खियां बटोरने और नेताओं की 'फोटो खिंचवाने' में दिलचस्पी है, लोगों के विकास में नहीं।

डभोई पुलिस फोर्स में सबसे बड़ा ट्रांसफर: एक साथ 41 पुलिसवालों का ट्रांसफर,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई/वडोदरा। वडोदरा जिले के डभोई पुलिस स्टेशन में एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस के तहत एक साथ बड़े पैमाने पर हुए ट्रांसफर ने पॉलिटिकल गलियारों समेत पूरी पुलिस फोर्स में काफी चर्चा पैदा कर दी है। डभोई पुलिस स्टेशन में लंबे समय से काम कर रहे और लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति संभाल रहे कुल 41 पुलिसवालों के ट्रांसफर ऑर्डर से सन्नाटा छा गया है। हालांकि, इन बड़े ट्रांसफर के बीच, तुरंत ट्रांसफर हुए स्टाफ के लिए पुलिस स्टेशन में ही एक बड़ा और इमोशनल फेयरवेल सेरेमनी भी रखी गई। एक तरफ ट्रांसफर के लिए सख्त एडमिनिस्ट्रेटिव ऑर्डर थे, तो दूसरी तरफ डभोई पुलिस परिवार में सालों से साथ काम करने का एक अनोखा प्यार भी देखने को मिला। डभोई पुलिस स्टेशन में ट्रांसफर हुए 41 कर्मचारियों के लिए एक खास फेयरवेल सेरेमनी रखी गई। इस मौके पर डभोई के DySP आकाश पटेल और डभोई पुलिस स्टेशन के PI ए. डी. पटेल खास तौर पर मौजूद थे। दोनों बड़े अधिकारियों ने डभोई में ट्रांसफर हुए सभी कर्मचारियों की अच्छी ड्यूटी और अपराधियों पर लगाम लगाने में उनके योगदान की खुलकर तारीफ की।

दिल्ली: वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति,

सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्त्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्त्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

संपादकीय

जानलेवा मैनहोल

मानसून की बारिश जहां किसानों के लिये राहत लेकर आती हैं, वहीं तंत्र की काहिली और भ्रष्टाचार की पोल भी खोल देती है। मानसून की शुरूआती बारिश ने एक बार फिर सार्वजनिक संरचनाओं की जानलेवा खामियों को ही उजागर किया। मुंबई में बारिश के पानी में नजर न आने वाले एक खुले मैनहोल में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हाल ही में खुले बहुचर्चित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली उजागर कर दी। ये घटनाएं हमें बताती हैं कि बारिश के मौसम में स्थानीय निकायों की लापरवाही व खराब इंजीनियरिंग के चलते कैसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। निस्संदेह, मुंबई में हुए हादसे को रोका जा सकता था। कथित साफ-सफाई के बाद लापरवाही से खुला छोड़ा गया मैनहोल तब जानलेवा बन गया, जब बारिश के पानी से ढका खुला मैनहोल नजर नहीं आया। निस्संदेह, दुर्घटना के बाद अधिकारियों को निलंबित करना और ठेकेदार को काली सूची में डालना, फौरी तौर पर सही कदम है, लेकिन सवाल यह है कि हादसे होने के बाद ही ऐसे कदम क्यों उठाये जाते हैं? पहले से ही नागरिकों की सुरक्षा के लिये चाक-चौबंद व्यवस्था क्यों नहीं होती? कायदे से किसी सड़क पर मैनहोल खोलने से पहले बैरिकेड्स लगाने, चेतावनी देने वाले संकेत और अस्थायी कवर से ढकना बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। जिन्हें अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बीते साल भी दिल्ली में भारी बारिश के दौरान स्कूटर फिसलने से एक महिला और उसका तीन साल का बेटा पानी से भरे नाले में बह गये थे। ये असुरक्षित ड्रेनेज संरचना की घातकता को ही दशार्ता है। विडंबना है कि हमारा तंत्र सालभर सोया रहता है और जब बरसात शुरू होने को होती है, तब मरम्मत- नालों की सफाई के काम की औपचारिकता पूरी करता है। निस्संदेह, संबंधित विभागों के अधिकारियों की सर्वकालिक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फिर किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के धंसने की घटना भी एक चिंताजनक स्थिति को दशार्ती है। यह निर्विवाद सत्य है कि कोई सड़क बारिश आने के कारण रातों-रात नहीं धंसती है। इसमें सड़क निर्माण के दौरान सतर्कता की अनदेखी भी शामिल है। दरअसल, सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की कारगर व्यवस्था न होने, मिट्टी की स्थिरता सुनिश्चित न करने और निर्माण में गुणवत्ता की कमी से ही बरसाती पानी सड़क की सतह के नीचे मिट्टी को धीरे-धीरे काटने लगता है। कालांतर यह मिट्टी का कटाव ही सड़क धंसने की वजह बन जाता है। साल 2024 में बिहार में पुलों के ढहने की श्रृंखला ने भी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग की हकीकत बतायी थी। इसी तरह की चिंताएं अकसर सामने आती हैं जब आधुनिक कहे जाने वाले महानगरों बेंगलुरू और मुंबई में हर मानसून में सड़कों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं इससे यातायात में भी अराजकता व व्यवधान पैदा होता है। बहरहाल, इन सभी घटनाओं के मूल में एक बात तो समान है कि स्थानीय निकाय व प्रशासन जोखिमों का समय रहते अनुमान नहीं लगा पाते हैं।

चिंतन-मनन

शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे [illegible] की जाए।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई का 131 दिन बाद अंतिम संस्कार

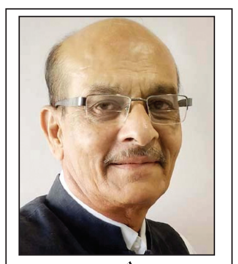

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को शुरू हुए इस अंतिम संस्कार कार्यक्रम में खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों को विदाई दी जा रही है। उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखा गया है। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए 60 शहरों से होते हुए यह जनाजा उनके जन्म स्थान पर जाकर दफनाया जाएगा। सुप्रीम लीडर के परिवार में उनकी 14 महीने की पोती, उनकी पत्नी, बेटी और दामाद का भी जनाजा साथ में निकाला जा रहा है। सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर संयुक्त हवाई हमला किया था। इसमें उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत के 131 दिन बाद 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में दफनाया जाएगा। लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि मंडल तेहरान पहुंच गए हैं। इजराइल द्वारा धमकी दिए जाने के बाद उनके पुत्र मुज्तबा खामेनेई सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो रहे हैं। इजराइल की धमकी के बाद अंतिम संस्कार के जनाजे की सुरक्षा एवं इसमें आने वाले करोड़ों लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई का जनाजा 6 शहरों से होते हुए उनके जन्म स्थल पर ले जाया जाएगा जहां पर उनके पूर्वजों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था, वहीं उन्हें भी दफन किया जाएगा। जनाजे में भारी भीड़ उमर रही है। सुरक्षा को देखते हुए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं। तेहरान में विदेश से आने वालों के लिए ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही ईरान के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग जनाजे में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। उसको ध्यान में रखते हुए सैकड़ो सेवा केंद्र बनाए गए हैं। जहां पर लोगों के ठहरने खाने-पीने और स्वास्थ्य संबंधी इंतजाम किया गया है। ईरान की सरकार ने अमेरिका और इजराइल को कड़ी चेतावनी दी है। यदि उन्होंने इस मौके पर कोई हरकत की तो इसका ऐसा जवाब दिया जाएगा जो अमेरिका और इजराइल ने सोचा भी नहीं होगा। शुक्रवार से शुरू हुए जनाजे के इस कार्यक्रम में जिस तरह से ईरान की जनता उमड़ रही है वह सारी दुनिया के लोगों के लिए एक आश्चर्य में डालने की तरह है।

अमेरिका और इजराइल ने जब ईरान के ऊपर हमला किया था उस समय ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे थे। अमेरिकी शह में जो प्रदर्शन हो रहे थे, उसे देखते हुए अमेरिका को लग रहा था कि वह एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता परिवर्तन करा देगा। अमेरिका और इजराइल का यह अनुमान गलत साबित हुआ। हमले में आयतुल्लाह खामेनेई और उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या होने के बाद ईरान में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। सारा ईरान एकजुट हो गया। अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जो लड़ाई ईरान ने लड़ी है वह सारी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है। आयतुल्लाह खामेनेई ने कई दशको पहले फतवा जारी कर दिया था। उनका धर्म परमाणु बम बनाने की इजाजत नहीं देता है। ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा। उन्होंने जो फतवा जारी किया था, शहादत होने तक उसका पालन करते हुए सारी दुनिया को एक संदेश देने की कोशिश भी की है। जिसकी चर्चा सारी दुनिया में हो रही है।

नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

योगेन्द्र योगी

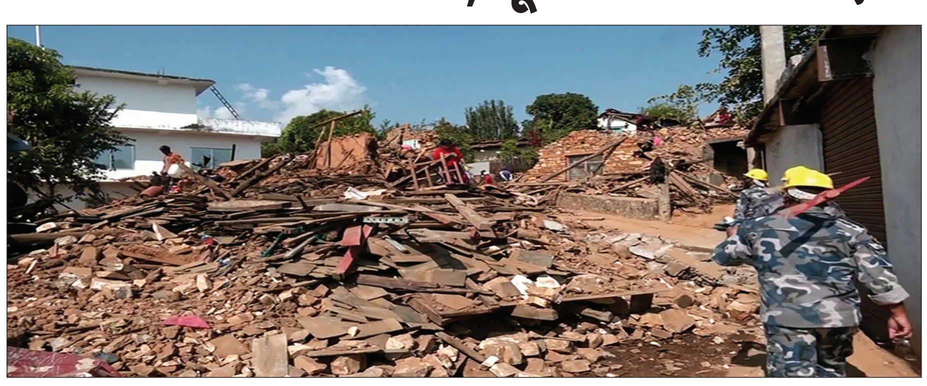

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूंकप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में जोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं जोन-5 में ज्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाका सीस्मिक जोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज रहती हैं। [illegible] भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत किया है। जानकार सीस्मिक जोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज्यादा बताते हैं। गौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक जोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का खमियाजा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर खतरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज्यादातर शहर हिमालय जोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के जोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप [illegible] है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले जोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग जोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीके से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हजार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमारतें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निश्मन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नहीं खुली।

जिस बाथरूम में फर्श के नीचे दफन थी पति की लाश, उसी में 44 दिन तक नहाती रही रूबी,

इस हत्याकांड ने मेरठ की मुस्कान, मध्य प्रदेश की सोनम रघुवंशी और महाराष्ट्र की सिया गोयल सरीखी महिलाओं को भी पीछे छोड़ दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा के सिकंदरा क्षेत्र की रेणुका धाम कॉलोनी में सामने आए सनसनीखेज हत्याकांड ने पूरे शहर को झकझोर दिया। जिस बाथरूम में परिवार के लोग रोज आते-जाते थे, उसी के फर्श के नीचे पति का शव दफन था। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि आरोपी पत्नी उसी बाथरूम में रोज नहाती रही और किसी को भनक तक नहीं लगने दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला ने टीवी के चर्चित शो क्राइम पेट्रोल और फिल्म दृश्यम देखकर हत्या और शव को ठिकाने लगाने की योजना बनाई थी। सिकंदरा रेणुका धाम कॉलोनी निवासी 44 वर्षीय सुरेंद्र शर्मा की हत्या उसकी पत्नी रूबी शर्मा ने 17 मई की रात कर दी थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने पहले पति को नशे की गोलियां खिलाई। जब वह बेसुध हो गया तो उसकी हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने से पहले उसने अपनी दोनों बेटियों और सास को जेठ अनिल शर्मा के घर भेज दिया था, ताकि घर में कोई मौजूद न रहे। अनिल शर्मा 18 मई को घर आए थे, तब सुरेंद्र चारपाई पर लेटा था। अनिल ने पूछ तो रूबी ने कहा कि नशे में चूर हैं।

बाथरूम में खोदा 2 फीट का गड्ढे

हत्या के बाद रूबी ने पूरी रात घर के बाथरूम में करीब दो फीट गहरा खोदा। उसने पति के शव को उसी में दफन कर दिया और ऊपर से फर्श की मरम्मत कराकर प्लास्टर करा दिया, ताकि किसी को शक न हो। इसके बाद वह सामान्य जीवन जीती रही और उसी बाथरूम का रोज इस्तेमाल करती रही। इसके अलावा वह मोहल्ले में अपने पति की गुमशुदगी का झूठा नाटक भी करती थी और आंसू बहाती थी। समय बीतने के साथ सुरेंद्र के अचानक गायब होने पर परिवार को संदेह होने लगा। रूबी से काफी पूछताछ करने और उसके कुछ न होने का भरोसा दिलाया, तब आखिरकार रूबी ने शुक्रवार को अनिल को घर बुलाया और सुरेंद्र का शव बाथरूम में होने की बात बताई। अनिल शर्मा ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बाथरूम का फर्श तुड़वाकर खुदाई कराई तो जमीन के नीचे मानव कंकाल बरामद हुआ। कंकाल के हाथ में पहना कड़ा और गले में रुद्राक्ष की माला देखकर परिजनों ने उसकी पहचान सुरेंद्र शर्मा के रूप में की। दृश्यम फिल्म और क्राइम पेट्रोल से बनाई योजना पूछताछ में रूबी ने पुलिस को बताया कि उसने फिल्म दृश्यम देखकर शव को घर में ही छिपाने का तरीका सोचा था, जबकि हत्या की योजना बनाने में क्राइम पेट्रोल जैसे अपराध आधारित धारावाहिक से उसे प्रेरणा मिली।

मंदिर में सिंदूर भरकर बनाया पत्नी, 3 साल तक किया शोषण, दूसरी लड़की से सगाई तय होते ही मुकरा

21 वर्षीय छात्रा ने अपने रिश्तेदार पर शादी का झूठा वादा कर तीन साल तक यौन शोषण करने का आरोप लगाया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर के कंपू थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है. दतिया निवासी एक युवक पर आरोप है कि उसने अपनी ही रिश्तेदार 21 वर्षीय छात्रा को शादी का झूठा वादा कर करीब तीन साल तक यौन शोषण किया. पीड़िता का आरोप है कि युवक ने मंदिर में उसकी मांग में सिंदूर भरकर शादी का नाटक किया, उसे पत्नी का भरोसा दिलाया और बाद में दूसरी युवती से सगाई तय होने पर शादी से इनकार कर दिया. विरोध करने पर आरोपी ने धमकी भी दी. मामले में भांडेर पुलिस ने जीरो पर एफआईआर दर्ज कर केस डायरी ग्वालियर के कंपू थाने भेजी, जहां दुष्कर्म, शादी का झांसा और धमकी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है. पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है.

सिविल परीक्षा की तैयारी के दौरान हुई मुलाकात

जानकारी के अनुसार दतिया जिले के भांडेर की रहने वाली 21 वर्षीय छात्रा वर्ष 2023 में सिविल परीक्षा की तैयारी के लिए ग्वालियर आई थी. वह आमखो इलाके में किराए के कमरे में रह रही थी. इसी दौरान उसकी मुलाकात दतिया निवासी दीपक से हुई. दीपक उसका रिश्तेदार था और पहले से ही परिवार में उसका आना-जाना था. दोनों के बीच बातचीत बढ़ी तो आरोपी ने शादी का वादा करना शुरू कर दिया. पीड़िता का आरोप है कि आरोपी उसके किराए के कमरे पर आने की जिद करता था. जब उसने मना किया तो आरोपी ने जल्द शादी करने का भरोसा दिया. इसके बाद वह आमखो स्थित कमरे पर पहुंचा और शादी का वादा कर उसके साथ जबरन गलत काम किया. पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी लगातार उसका यौन शोषण करता रहा.

मंदिर में सिंदूर भरकर किया शादी का नाटक

जब पीड़िता ने शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने पारिवारिक समस्याओं का हवाला दिया. वर्ष 2024 में वह उसे एक मंदिर ले गया, जहां उसने माला पहनाई और उसकी मांग में सिंदूर भर दिया. पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उसे पत्नी मानने का भरोसा दिया. इसके बाद उसने भांडेर में उसके लिए किराए का कमरा भी दिलवाया. वहीं वह दतिया में ऑनलाइन दुकान चलाते हुए उससे मिलता रहा और उसका शोषण करता रहा. कुछ समय पहले पीड़िता को पता चला कि दीपक की करैरा की एक दूसरी युवती से सगाई तय हो गई है. जब उसने इसका विरोध किया और शादी की बात याद दिलाई तो आरोपी शादी से मुकर गया. आरोप है कि उसने पीड़िता को धमकाना भी शुरू कर दिया. घटना के बाद पीड़िता ने भांडेर और ग्वालियर के कंपू थाने में शिकायत दर्ज कराई. कंपू थाना पहले इस मामले में काउंसलिंग कर रहा था. बाद में भांडेर पुलिस ने जीरो पर एफआईआर दर्ज कर केस डायरी कंपू थाने भेज दी.

पुलिस ने दर्ज कर जांच शुरू की

कंपू थाना प्रभारी के अनुसार पीड़िता के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी दीपक के खिलाफ दुष्कर्म, शादी का झांसा देकर शोषण करने और धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं. मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है.

काशी विश्वनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात क्यूआरटी जवान की बंदूक से गोली चली, 3 लोग घायल

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में शनिवार को एक हादसा हो गया। मंदिर सुरक्षा में तैनात एक पीएसी जवान की बंदूक से गोली चल गई। इसमें तीन लोग घायल हो गए हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शनिवार को गेट नंबर-4 पर तैनात एक पीएसी जवान की बंदूक से अचानक गोली चल गई। गोली सड़क पर लगी और फिर उछलकर उसके छर्रे दो दुकानदार और एक व्यक्ति को लग गए। घायल तीनों लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां तीनों का इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को रोज की तरह लोग बाबा विश्वनाथ के दर्शन कर रहे थे। उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मंदिर गेट नंबर-4 पर ड्यूटी में तैनात एक पीएसी सिपाही की कार्बाइन अचानक से जमीन पर गिर गई और उसमें से गोली चल गई। गोली आसपास के दो दुकानदारों को जा लगी। साथ ही एक अन्य व्यक्ति को भी गोली लगी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। घायलों को तुरंत नजदीक कबीरचौरा मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां सभी का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि सभी खतरे से बाहर हैं। वहीं, पीएसी जवान को थाने लाया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। अस्पताल में जिनका इलाज चल रहा है, उनकी पहचान निक्की गुप्ता, रामबाबू और विकास यादव के रूप में हुई है। इनके हाथ और पैर में चोटें लगी हैं। वहीं, पुलिस को जैसे ही इस मामले की जानकारी हुई, उसने तुरंत माहौल को संभाला और लोगों को नियंत्रित किया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है कि कार्बाइन जमीन पर आखिरकार कैसे गिर गई और गोली कैसे चली?

फूल-माला खरीदते समय हुआ हादसा

मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, जिस समय यह हादसा हुआ, उस समय लोग फूल-माला खरीद रहे थे। बता दें कि रोज हजारों की संख्या में बाबा के दर्शन के लिए लोग काशी नगर पहुंचते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था सख्त रहती है।

देवास की गफूर बस्ती में मिला जैश-ए-मोहम्मद का संदिग्ध आतंकी, टाइल्स लगाने वाले बिलाल दुरानी को गुजरात ATS ने धरा

प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध मॉड्यूल से जुड़े 18 वर्षीय युवक बिलाल दुरानी को नाहर दरवाजा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

देवास। मध्य प्रदेश के मालवा अंचल में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के स्लीपर सेल और संदिग्ध नेटवर्क को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते ने देवास में स्थानीय पुलिस की मदद से छापेमारी कर प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक संदिग्ध मॉड्यूल के सक्रिय सदस्य को दबोच लिया है। गिरफ्तार किए गए 18 वर्षीय आरोपी की पहचान बिलाल दुरानी, पिता मोहम्मद अम्मार घाघा उर्फ अबू दुजाना के रूप में हुई है, जो सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में था और भारत में आतंकी नेटवर्क खड़ा करने की साजिश में लिप्त था।

देवास की गफूर बस्ती में आधी रात को एटीएस का छापा

गुजरात एटीएस की टीम गुरुवार रात अचानक देवास के नाहर दरवाजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत वारसी नगर स्थित गफूर बस्ती पहुंची। स्थानीय पुलिस को साथ लेकर टीम ने बिलाल के घर की घेराबंदी की और परिजनों से कड़ी पूछताछ के बाद उसे अपनी अभिरक्षा में ले लिया। देवास के पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि गुजरात एटीएस एक संदिग्ध की तलाश में आई थी, जिसे नियमानुसार कानूनी कागजी कार्रवाई पूरी कर एटीएस के हवाले कर दिया गया है। जांच में सामने आया है कि आरोपी बिलाल दुरानी देवास में मजदूरी और टाइल्स लगाने का काम करता था, ताकि किसी को उस पर शक न हो। हालांकि, डिजिटल स्पेस में वह बेहद सक्रिय था और लगातार संवेदनशील व भड़काऊ कंटेंट सोशल मीडिया पर शेयर कर युवाओं को बरगला रहा था।

'चंपत राय बेकसूर, ये सिर्फ कुछ दिनों के बादल हैं...' चढ़ावा चोरी कांड के बीच अयोध्या के संतों ने खोला मोर्चा

संतों ने ट्रस्ट से उनका इस्तीफा स्वीकार न करने की मांग करते हुए कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप निराधार हैं

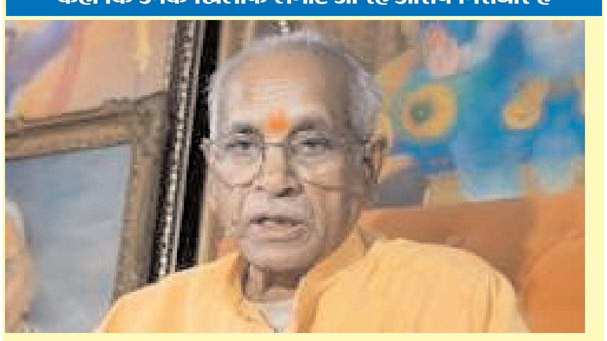

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित राम मंदिर इन दिनों सुर्खियों में है. सुर्खियां वो भी चंदे चोरी को लेकर. राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर अयोध्या के संतों ने साफ इनकार कर दिया है. शनिवार को अयोध्या संत मंडल की एक बैठक हुई जिसके बाद संतों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. सभी संतों ने एक सुर में कहा कि चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए. संतों का कहना है कि उन पर लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह बेबुनियाद हैं और उन्हें हटाने के पीछे एक बड़ी साजिश चल रही है. साकेत भवन के संत सीताराम दास ने कहा कि आज अयोध्या संत मंडल की बैठक हुई और प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई. उन्होंने कहा कि ट्रस्ट को चंपत राय जी का इस्तीफा स्वीकार नहीं करना चाहिए. उनके मुताबिक चंपत राय ने जो काम, त्याग, तपस्या और समर्पण दिखाया है, वह अपने आप में गर्व की बात है और पूरी दुनिया इसे जानती है. उन्होंने कहा कि इसे भुलाया नहीं जा सकता और उन पर लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद और बेमतलब हैं. वैदेही भवन के महंत वैदेही वल्लभ शरण ने कहा कि संघ का हर प्रचारक ईमानदार है. उन्होंने कहा कि संघ के प्रचारक समर्पित और अडिग होते हैं. उनके अनुसार यह सिर्फ कुछ बादल हैं जो जल्द ही छंट जाएंगे. संत रघवेश दास वेदांती ने कहा कि अयोध्या के संत ट्रस्ट से मांग कर रहे हैं कि चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार न किया जाए. उन्होंने बताया कि जिन आरोपियों को एसआईटी ने पकड़ा है, उन्हें रिमांड पर लिया गया है और कुछ दिनों बाद रिपोर्ट आने पर पूरा मामला साफ हो जाएगा. राम कचहरी मंदिर के महंत शशिकांत दास ने कहा कि आज हुई बैठक में चंपत जी को दोषी ठहराया जा रहा है, जो पूरी तरह बेबुनियाद है. उन्होंने कहा कि चंपत जी की इसमें कोई गलती नहीं है और उन्हें हटाने के लिए एक बड़ी साजिश रची जा रही है.

अब जमीन पर बैठकर चढ़ावे की काउंटिंग, मोबाइल-बैग-कैमरा पर बैन... राम मंदिर में बदल गए नियम

कथित चोरी का मामला सामने आने के बाद दान काउंटिंग प्रणाली को बदल दिया गया है. व्यवस्था में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए अब काउंटिंग हॉल में कर्मचारियों को सख्त सुरक्षा घेरे और दोहरे स्तर की जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर के दान काउंटिंग सिस्टम में सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए बड़ा बदलाव किया गया है. काउंटिंग हॉल में अब कर्मचारियों को सख्त सुरक्षा व्यवस्था और दोहरी जांच (डबल चेकिंग) के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है. सूत्रों के मुताबिक, काउंटिंग कर्मचारियों के लिए अब नया ड्रेस कोड लागू किया गया है. कर्मचारियों को बिना किसी जेब (पॉकेट) वाली डार्क ब्लू रंग की ड्रेस पहनना अनिवार्य होगा. इसके साथ ही काउंटिंग हॉल में प्रवेश से पहले प्रत्येक कर्मचारी को दो चरणों की सुरक्षा जांच से गुजरना होगा. वहीं, काउंटिंग का कार्य अब कुर्सी-मेज पर नहीं, बल्कि जमीन पर बैठकर कराया जाएगा. मोबाइल फोन, कैमरा, बैग और अन्य निजी सामान काउंटिंग हॉल के अंदर ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है. कर्मचारियों को काउंटिंग हॉल में प्रवेश से पहले जूते-चप्पल भी बाहर ही उतारने होंगे. इस बीच, राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी का मामला लगातार नए खुलासों के साथ सुर्खियों में बना हुआ है. इस मामले में आरोपी अनुकल्प मिश्रा को लेकर अहम जानकारी सामने आई है. जानकारी के मुताबिक, अनुकल्प मिश्रा के नाम पर मंदिर में 'व्यवस्था कार्यकर्ता' के तौर पर एंट्री पास जारी किया जाता था. आरोप है कि मंदिर में होने वाले हर विशेष कार्यक्रम के दौरान अनुकल्प मिश्रा के नाम से एंट्री पास बनाया जाता था. दावा किया जा रहा है कि इसी व्यवस्था कार्यकर्ता वाले पास के जरिए उसे मंदिर परिसर में प्रवेश मिलता था. आरोप यह भी है कि इसी पास के आधार पर वह चढ़ावे की राशि की गिनती की प्रक्रिया में शामिल होता था. वहीं, चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास महाराज ने दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की है. उन्होंने कहा, 'भगवान के घर में अपराध करने वालों को सीधे फांसी पर लटका देना चाहिए.'

रात के अंधेरे में हॉस्टल पर पथराव दहशत में आ गए स्टूडेंट्स, बिजनेस की रंजिश का आरोप

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक हॉस्टल पर देर रात पथराव का मामला सामने आया है. घटना पिपलानी थाना क्षेत्र के पटेल नगर की है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने इलाके में हलचल मचा दी. पटेल नगर स्थित एक हॉस्टल पर देर रात करीब आठ युवकों ने पथराव कर दिया. घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसमें कुछ युवक हॉस्टल की ओर पत्थर फेंकते दिखाई दे रहे हैं. इस घटना को लेकर दो हॉस्टल संचालकों के बीच कारोबारी रंजिश के आरोप भी सामने आ गए हैं. घटना भोपाल के पटेल नगर स्थित एक प्राइवेट हॉस्टल की है. हॉस्टल संचालक दुर्गेश तिवारी और शिवम सिंह का आरोप है कि देर रात करीब आठ युवक उनके हॉस्टल के बाहर पहुंचे और अचानक पथराव शुरू कर दिया. पत्थरबाजी हुई तो हॉस्टल में रह रहे छात्र घबरा गए. कुछ देर के लिए पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. पूरी घटना हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई हॉस्टल संचालकों का आरोप है कि इस हमले के पीछे दूसरे हॉस्टल संचालक पुष्पराज यादव का हाथ है. उनका कहना है कि इलाके में हॉस्टल कारोबार को लेकर प्रतिस्पर्धा चल रही है. आरोप है कि उन्हें व्यवसाय नहीं करने देने के मकसद से यह हमला कराया गया. हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. घटना की सूचना मिलने के बाद पिपलानी पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया और कुछ आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 151 के तहत कार्रवाई की. अब सवाल यही है कि जब घटना का वीडियो सामने आ चुका है और कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है, तब एफआईआर क्यों दर्ज नहीं हुई? इस मामले को लेकर एसीपी अदिति सक्सेना का कहना है कि फरियादियों के विस्तृत बयान दर्ज होने के बाद आगे की कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाएगी. फिलहाल मामले की जांच जारी है. पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना की तफ्तीश कर रही है.

16 लाख से सीधे 26 लाख! राम मंदिर के बैंक खातों ने खोली बड़ी पोल... हर रोज उड़ाई जा रही थी लाखों की रकम

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामला सामने आने के बाद बैंक खातों में जमा होने वाली रकम में भारी अंतर पाया गया है. चोरी उजागर होने से पहले रोजाना 16 से 18 लाख रुपये जमा हो रहे थे, जो अब बढ़कर 24 से 26 लाख रुपये हो गए हैं.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला सुर्खियों में है. रोजाना नए-नए खुलासे हो रहे हैं और जांच का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है. अब अयोध्या ट्रस्ट में चोरी का मामला सामने आने के बाद अब बैंक खातों में जमा होने वाली रकम में बड़ा अंतर देखने को मिला है. इस आधार पर एसआईटी को शक है कि ट्रस्ट में लंबे समय से रोजाना लाखों रुपये की चोरी हो रही थी. जांच एजेंसी ने इस पूरे मामले में बैंक कर्मियों से पूछताछ शुरू कर दी है और कई अहम दस्तावेज भी अपने कब्जे में ले लिए हैं. सूत्रों के जानकारी के अनुसार, चोरी का मामला उजागर होने से पहले ट्रस्ट के एसबीआई और पीएनबी बैंक खातों में हर दिन करीब 16 से 18 लाख रुपये जमा हो रहे थे. लेकिन जैसे ही चोरी की बात सामने आई, अब यही रकम बढ़कर 24 से 26 लाख रुपये प्रतिदिन तक पहुंच गई है. ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारियों की मिलीभगत के बगैर चढ़ावा चोरी हो सकता है? इतनी बड़ी बढ़ोतरी को देखकर जांच में जुटी एसआईटी हैरान है और उसे शक है कि पहले हर दिन करीब 6 से 8 लाख रुपये की चोरी की जा रही थी. एसआईटी ने इस पूरे वित्तीय अंतर को अपनी जांच का सबसे अहम हिस्सा बना लिया है. अधिकारी अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि आखिर यह पैसा कहां जा रहा था और इसमें कौन कौन लोग शामिल थे. इसी सिलसिले में एसआईटी ने एसबीआई बैंक के मैनेजर समेत कुल 10 बैंक कर्मियों से पूछताछ की है. पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने बैंक से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज और लेनदेन का पूरा हिसाब किताब अपने कब्जे में ले लिया है. अब इन दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि यह साफ हो सके कि आखिर कहां गड़बड़ी हुई और किसकी मिलीभगत से यह सब हो रहा था. सूत्रों की मानें तो अब तक की जांच में दो से तीन लोगों की भूमिका पर सवाल उठे हैं. इन लोगों की गतिविधियों को लेकर एसआईटी और गहराई से पड़ताल कर रही है. माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं.

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (रविवार)
05 जुलाई 2026

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन का गुजरात में 80% काम पूरा, अगले साल से करें सफर, रेल मंत्री का बड़ा ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को अहमदाबाद का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अहमदाबाद के ऐतिहासिक कालूपुर रेलवे स्टेशन पहुंचकर मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना और मेट्रो प्रोजेक्ट का जायजा लिया। उन्होंने ऐतिहासिक कालूपुर रेलवे स्टेशन का भी निरीक्षण किया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के निरीक्षण के दौरान मजदूरों से बातचीत की। इस दौरान 'भारत माता की जय' के नारे लगाए गए। परियोजना में काम करने वाले मजदूर वर्ग ने रेल मंत्री के साथ सेल्फी और फोटो भी ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का दौरा भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को तेज गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गुजरात में बुलेट ट्रेन का 80 प्रतिशत काम पूरा

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम बहुत तेजी से चल रहा है। अगले साल सूरत से बिलिमोरा तक का पहला सेक्शन चालू हो जाएगा, इसके बाद वापी से सूरत वाला सेक्शन शुरू होगा। फिर वापी से अहमदाबाद वाला सेक्शन पूरा किया जाएगा। इसके बाद अहमदाबाद से ठाणे और आखिर में अहमदाबाद से मुंबई वाले सेक्शन पर काम होगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट 2029 तक अलग-अलग सेक्शन और चरणों में पूरा हो जाएगा। गुजरात इलाके में लगभग 80 प्रतिशत काम पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि शहर के अंदर बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य बहुत जटिल है। कई जगहों पर रेलवे ट्रैक को पार करना होगा और कई स्थानों पर मौजूदा रेलवे लाइनों के ऊपर बने फ्लाईओवर को भी पार करना होगा। कई जगहों पर डबल क्रॉसिंग की जरूरत है, जिससे यह तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण हो जाता है। रेल मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद शहर में औसतन ऊंचाई लगभग 100 फीट है। पूरा ब्रिज इसी ऊंचाई पर बना है। ब्रिज बनकर तैयार है और अब ट्रैक बिछाने का कार्य किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि लगभग 100 फीट की ऊंचाई पर बुलेट ट्रेन का ट्रैक है।

अहमदाबाद में बस, मेट्रो, रेलवे और बुलेट ट्रेन सब एक जगह

उन्होंने बताया कि अहमदाबाद में बस स्टैंड, मेट्रो, रेलवे और बुलेट ट्रेन, इन सभी चारों स्टेशनों का मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन, इसकी विशेषता है। यह विशेष ध्यान रखा गया है कि यात्री अगर मेट्रो से आएं तो बाईं ओर से सीधे बुलेट ट्रेन और रेलवे स्टेशन की तरफ जा सकते हैं। रेलवे स्टेशन से यात्री नीचे उतरकर बुलेट ट्रेन में बैठ सकते हैं। इस तरह की व्यवस्था बड़े ध्यान से की गई है। उन्होंने कहा कि एक और विशेष बात यह है कि अहमदाबाद की संस्कृति में पतंग का बहुत बड़ा महत्व है। बुलेट ट्रेन के स्टेशन का डिजाइन पतंग को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। एक बहुत अच्छा स्टेशन बनकर तैयार हो रहा है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम बहुत तेजी से चल रहा है। अगले साल सूरत से बिलिमोरा तक का पहला सेक्शन चालू हो जाएगा, और उसके बाद वापी से सूरत वाला सेक्शन शुरू होगा। इसके बाद वापी से अहमदाबाद वाला सेक्शन पूरा किया जाएगा।

लंदन-दुबई की तर्ज पर मयूर विहार में बनेगा 'दिल्ली EYE, 3.84 एकड़ जगह चिह्नित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लंदन में लगे ऑब्जर्वेशन वील लंदन आई, दुबई के आइन दुबई और सिंगापौर के सिंगापौर फ्लायर की तर्ज पर दिल्ली के मयूर विहार एरिया में भी एक 'दिल्ली आई' बनाने का प्लान है। डीडीए ने इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। मयूर विहार में 3.84 एकड़ जगह इसके लिए चुनी गई है। इसे लाइसेंस फीस के आधार पर बनाया जाएगा। इससे लगने वाली कंपनी ही इसकी मेंटेनेंस और ऑपरेशन करेगी। फिलहाल दुबई का आइन दुबई दुनिया का सबसे बड़ा आब्जर्वेशन वील है जिसकी ऊंचाई 250 मीटर है। लंदन आई की ऊंचाई 135 मीटर है। दिल्ली आई की ऊंचाई 35 मीटर ही रहेगा लेकिन यह राजधानी के लिए एक आइकन बन सकता है।

55 साल के के लाइसेंसिंग मॉडल पर किया जाएगा तैयार

डीडीए ने इस प्रोजक्ट को विकसित करने, चलाने और इसकी मैनटेनेंस करने के लिए एक एक्सपर्ट एजेंसी को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रोजक्ट को 55 साल के के लाइसेंसिंग मॉडल पर तैयार किया जाएगा।

35 मीटर ऊंचा एक केनटिलिवर्ड आब्जर्वेशन वील

प्रोजक्ट के तहत 35 मीटर ऊंचा एक कैनटिलिवर्ड आब्जर्वेशन वील स्थापित किया जाएगा। इससे लोगों को पूरी दिल्ली का बेहद खूबसूरत और विहंगम दृश्य देखने को मिलेगा। अधिकारी के अनुसार इस जगह को जनता के लिए और अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाने के लिए प्रोजक्ट में कई अन्य फीचर्स भी जोडे. जा सकते हैं। कई कंपनियां लाइसेंस फीस माडल के तहत ऐसी सुविधाएं विकसित करने में दिलचस्पी दिखा रही हैं। मयूर विहार में कहां बनेगा यह साइट ब्लू लाइन के न्यू अशोक नगर और मयूर विहार एक्सटेंशन के पास है। इस साइट के पास ही मयूर विहार फ्लाईओवर, डीएनडी फ्लाईओवर और गाजीपुर रोड भी है।

जंतर-मंतर पर CJP के आंदोलन का 15वां दिन: 'धर्मेंद्र प्रधान पीएम मोदी के लिए इतने जरूरी क्यों

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल जंतर-मंतर पर जारी है और उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है. उनका वजन 5 किलो कम हो चुका है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी का शनिवार को 15वां दिन और सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का 7वां दिन है. उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है और उनका वजन 5 किलो कम हो गया है. कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अब तक बर्खास्त क्यों नहीं किया गया. वहीं वांगचुक ने लद्दाख मुद्दे पर सरकार और लद्दाख प्रतिनिधियों के बीच हुई बातचीत में डेवलपमेंट का स्वागत किया है. सोनम वांगचुक जंतर-मंतर पर पिछले सात दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं. सीजेपी का कहना है कि परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना चाहिए. सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने एक्स पर लिखा कि वांगचुक की सेहत हर दिन बिगड़ रही है. उन्होंने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी धर्मेंद्र प्रधान को हटाने का इंतजार आखिर कब तक करेंगे. दिपके ने लिखा कि सोनम सर का वजन 5 किलो कम हो चुका है और उनकी तबीयत हर दिन खराब हो रही है. उन्होंने सवाल किया कि 20 छात्रों की मौत के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी धर्मेंद्र प्रधान को क्यों नहीं हटा रहे हैं. दिपके ने यह भी कहा कि अगर सरकार जल्द कार्रवाई नहीं करती तो वांगचुक को कुछ भी हुआ तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी. उन्होंने साफ किया कि जब तक कार्रवाई नहीं होती वांगचुक अपनी भूख हड़ताल खत्म नहीं करेंगे. लेह एपेक्स बॉडी और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के प्रतिनिधियों ने बताया कि गृह मंत्रालय के साथ उनकी बातचीत में मतभेद सुलझ गए हैं. दोनों संगठनों ने इस सफलता का श्रेय वांगचुक की भूख हड़ताल को दिया. इसके अलावा ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के छह छात्र भी जंतर मंतर पर अलग मंच से भूख हड़ताल जारी रखे हुए हैं. इस प्रदर्शन को सीपीआई (एम), सीपीआई, कांग्रेस समेत कई नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है.

38500 करोड़ रुपये का मामला! दिल्ली की बिजली कंपनियों के CAG ऑडिट पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

दिल्ली सरकार कंपनियों की 38,500 करोड़ से जुड़े एक मामले में सीएजी ऑडिट करना चाहती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस ऑडिट पर फिलहाल रोक लगा दी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार द्वारा बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के विशेष नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से कराए जाने वाले ऑडिट पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह ऑडिट उपभोक्ताओं से वसूले जाने वाले लगभग 38,500 करोड़ रुपये के रेगुलेटरी एसेट्स (आरए) के वर्षों से लंबित रहने के मुद्दे को लेकर कराया जाना था।

सिंघवी हैं कंपनियों के वकील

जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एस. चंद्रशेखर की अवकाशकालीन पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (DERC) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और निजी बिजली वितरण कंपनियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलों पर विचार किया। इसके बाद अदालत ने दिल्ली सरकार के ऑडिट संबंधी आदेश पर फिलहाल रोक लगाने का निर्णय लिया।

ऑडिट प्रक्रिया फिलहाल रुकी

गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने गुरुवार को राजधानी की तीन निजी बिजली वितरण कंपनियों के कामकाज और वित्तीय मामलों की जांच के लिए CAG ऑडिट का आदेश दिया था। सरकार का कहना था कि वर्षों से उपभोक्ताओं से वसूले जाने वाले करीब 38,500 करोड़ रुपये के रेगुलेटरी एसेट्स लंबित हैं, इसलिए गहन जांच जरूरी है। सरकार के आदेश के अनुसार, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) को यह जांच करनी थी कि आखिर किन परिस्थितियों में बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (BRPL), बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (BYPL) और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (TPDDL) ने रेगुलेटरी एसेट्स की राशि की वसूली किए बिना अपना संचालन जारी रखा। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद फिलहाल CAG ऑडिट की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकेगी। अदालत के इस फैसले से निजी बिजली वितरण कंपनियों को अस्थायी राहत मिली है।

एकनाथ शिंदे की बिगड़ी तबीयत, ठाणे के अस्पताल में हुए भर्ती, डॉक्टर ने क्या बताया?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके फौरन बाद उन्हें ठाणे के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है और फिलहाल उनकी हालत पूरी तरह स्थिर बताई जा रही है। शिवसेना सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से लगातार व्यस्त राजनीतिक कार्यक्रमों, अत्यधिक शारीरिक मेहनत और काम के भारी दबाव के कारण उनकी सेहत पर असर पड़ा।

एकनाथ शिंदे को क्या हुआ?

दरअसल शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र चल रहा था। तभी एकनाथ शिंदे को तेज बुखार और काफी कमजोरी महसूस हुई। इसके बावजूद उन्होंने शुरुआत में अपना काम जारी रखा, लेकिन बाद में तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें तुरंत ठाणे के अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पार्टी सूत्रों ने साफ किया कि एकनाथ शिंदे इलाज और डॉक्टरों की निगरानी के लिए अस्पताल में हैं, लेकिन उनकी सेहत को लेकर किसी गंभीर चिंता की बात नहीं है।बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में एकनाथ शिंदे लगातार राजनीतिक गतिविधियों में बेहद सक्रिय थे। खासकर 'ऑपरेशन टाइगर' के तहत उन्होंने बड़ी राजनीतिक रणनीति पर काम किया। इसी अभियान के दौरान उद्धव ठाकरे गुट के छह सांसदों और एमएलसी सचिन अहीर ने शिंदे की शिवसेना का दामन थामा। इस पूरे अभियान को सफल बनाने के लिए एकनाथ शिंदे को लगातार काम करना पड़ा और कई बार नई दिल्ली की यात्राएं भी करनी पड़ीं। उनकी तबीयत खराब होने का असर शुक्रवार को ठाणे में आयोजित एक महत्वपूर्ण राजनीतिक कार्यक्रम पर भी पड़ा। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना की धुले की प्रमुख नेता और उपनेता शुभांगी पाटील को शाम 4 बजे गंगूबाई शिंदे हॉल में आधिकारिक रूप से एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होना था, लेकिन एकनाथ शिंदे के अस्पताल में भर्ती होने के कारण यह कार्यक्रम टालना पड़ा।

दिल्ली में प्रदूषण से जंग के लिए ?8,300 करोड़ का मेगा प्लान, 65% फंड देगा वर्ल्ड बैंक

दिल्ली सरकार ने वर्ल्ड बैंक की साझेदारी से 8,300 करोड़ रुपये का सात वर्षीय प्रदूषण कंट्रोल प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 8,300 करोड़ रुपये के सात साल के प्रोग्राम का ऐलान किया है. इस प्रोग्राम के लिए 65 फीसदी धनराशि वर्ल्ड बैंक दे रही है और 35 फीसदी फंड दिल्ली सरकार से मिलेगा. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ दिल्ली' टाइटल वाला प्रोजेक्ट सितंबर 2026 से अगस्त 2033 तक चलेगा. उन्होंने कहा कि इसका मकसद एयर क्वालिटी मैनेजमेंट को मजबूत करना और पूरे शहर में प्रमुख प्रदूषण स्रोतों से उत्सर्जन में कटौती करना है. तैयारियों को अंतिम रूप देने और सभी स्टेकहोल्डर के बीच कोऑर्डिनेशन में सुधार के लिए 10 जुलाई को एक स्पेशल वर्कशॉप आयोजित किया जाएगा. सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'वर्कशॉप में कई विभागों और एजेंसियों की भूमिकाओं को परिभाषित करेगी और परियोजना के प्रभावी और समय पर इम्प्लीमेंटेशन के लिए रोडमैप पर चर्चा होगी. यह कार्यक्रम दिल्ली के एयर पॉल्यूशन मिटिगेशन प्लान को गति देगा, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के टारगेट्स में मदद करेगा और विकसित भारत 2047 उद्देश्य की मदद करेगा. पर्यावरण विभाग के इस प्रोजेक्ट में प्रदूषण से जुड़े मुख्य क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा, जैसे ट्रांसपोर्ट, सड़क की धूल, कंस्ट्रक्शन और तोड़-फोड़ से निकलने वाला कचरा, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, इंडस्ट्रीज, ग्रीन स्पेस और जल प्रदूषण. रेखा गुप्ता ने कहा कि यह पहल 'सिर्फ प्रदूषण कंट्रोल प्रोग्राम नहीं, बल्कि एक लंबे वक्त का इन्वेस्टमेंट' है, जिसका मकसद दिल्ली के लोगों को साफ हवा, बेहतर पब्लिक हेल्थ और ज्यादा टिकाऊ शहरी माहौल देना है. उन्होंने कहा कि यह पहल दो मुख्य स्तंभों पर टिकी है: हवा की क्वालिटी मैनेजमेंट को मजबूत करना और प्रदूषण के मुख्य स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन को कम करना. पहले हिस्से के तहत, सरकार एक खास प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट बनाएगी, एडवांस्ड एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करेगी, डेटा एनालिटिक्स क्षमताएं तैयार करेगी और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर पर आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम बनाएगी. इस प्रोजेक्ट में इंडो-गैंगेटिक प्लेन के राज्यों के साथ बेहतर तालमेल, वैज्ञानिक प्लानिंग, जन-जागरूकता अभियान और नई टेक्नोलॉजी को अपनाने की योजना भी शामिल है. दूसरा हिस्सा पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को धीरे-धीरे हटाने, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत करने और वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के लिए एडवांस्ड 'पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल' मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करेगा. सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इस प्रोग्राम को पर्यावरण विभाग, दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमेटी, ट्रांसपोर्ट विभाग, पब्लिक वर्क्स विभाग,नई दिल्ली नगर परिषद और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस मिलकर लागू करेंगे.

सड़कें बनीं नदी, कॉलोनियां टापू... मुंबई में बारिश का कहर, कहीं बिजली गुल तो कहीं 3 फीट पानी में डूबा रास्ता

महाराष्ट्र में हो रही मूसलाधार बारिश ने मुंबई महानगर इलाके समेत पालघर, ठाणे, वसई, नालासोपारा और भिवंडी में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है. कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई हैं, कॉलोनियां चारों ओर से पानी में घिर गई हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। मानसून ने एक बार फिर अपनी पूरी ताकत दिखानी शुरू कर दी है. मुंबई महानगर क्षेत्र से लेकर ठाणे, पालघर, वसई, नालासोपारा और भिवंडी तक लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित कर दिया है. कई इलाकों में सड़कें पानी में डूब गई हैं, कॉलोनियां चारों तरफ से घिर गई हैं और लोगों का घर से निकलना तक मुश्किल हो गया है. इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. विभाग ने अगले कुछ घंटों तक कई जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है. पालघर जिले के नालासोपारा फाटा इलाके में लोग भारी मुसीबत का सामना कर रहे हैं. यहां हाइवे के नजदीक स्थित इस इलाके में लगातार बारिश के कारण घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया है. हालात ऐसे हैं कि वाहन रेंगते हुए निकल रहे हैं. कई दोपहिया चालकों को बीच रास्ते वाहन रोकने पड़े. पैदल निकलने वाले लोगों को भी पानी के बीच से गुजरना पड़ रहा है. स्थानीय लोगों का कहना है कि जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से हर तेज बारिश के बाद यही हाल हो जाता है. वसई पूर्व की सातिवली रोड हाइवे को कनेक्ट करने वाला प्रमुख रास्ता है, वहां भी भारी जलभराव हो गया है. सड़क के दोनों किनारों पर पानी भर जाने से ट्रैफिक प्रभावित हुआ है. रोजाना हजारों लोग इसी रास्ते से सफर करते हैं, लेकिन बारिश ने इस अहम सड़क की रफ्तार थाम दी है. स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल जलनिकासी की मांग की है. इसके अलावा बेहद मुश्किल हालात वसई पूर्व की मिठागर वसाहत में देखने को मिले हैं. लगातार बारिश के कारण पूरी कॉलोनी पानी से घिर गई है. मुख्य सड़क पूरी तरह पानी में डूब चुकी है. इससे करीब 120 परिवारों के 300 से 400 लोग प्रभावित हुए हैं. मुसीबत सिर्फ पानी तक सीमित नहीं है. स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले 24 घंटों से बिजली आपूर्ति ठप है. अंधेरे, जलभराव और जरूरी सुविधाओं के अभाव में परेशानी कई गुना बढ़ गई है. यहां रहने वाले लोगों का कहना है कि हर साल बारिश में यही स्थिति हो जाती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला गया. उनका आरोप है कि इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद अब तक कोई प्रशासनिक टीम राहत पहुंचाने नहीं आई.

एक्सपायर्ड फूड को फ्रेश बताकर बेचते थे, 7 गिरफ्तार

जांच में पता चला कि आरोपी कम कीमत पर एक्सपायर हो चुके विदेशी बैंड के खाद्य उत्पाद खरीदते थे। मामले में फैक्ट्री मालिक समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ओखला फेज-2 स्थित एक फैक्ट्री में एक्सपायर और एक्सपायरी के करीब पहुंच चुके नामी अंतरराष्ट्रीय ब्रैड के खाद्य उत्पादों की निर्माण और एक्सपायरी डेट बदलकर उन्हें नए पैक में बाजार और ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म पर बेचा जा रहा था। पुलिस ने मौके से 20 लाख रुपये से अधिक कीमत का सामान और डेट बदलने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें जब्त की है। मामले में फैक्ट्री मालिक समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान दर्शन सिंह (70), नितेश भारद्वाज (38), नरेंद्र कुमार (42), कपिल (34), लकी ओझा (45), प्रेम यादव (33) और पवन कुमार (32) के रूप में हुई है। DCP डॉ. हेमंत तिवारी के अनुसार, नकली सामान की काफी समय से शिकायत मिल रही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए ACP अनिल शर्मा की देखरेख में SI अतुल, तेजपाल, ASI मनोज ने जांच शुरू की।

एक कंपनी में संयुक्त छापेमारी की

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर SDM बदरपुर, FSSAI और मिशन मुक्ति NGO के साथ ओखला फेज-2 स्थित एक कंपनी में संयुक्त छापेमारी की। शुरुआती उद्देश्य बाल श्रमिकों की तलाश थी, लेकिन जांच के दौरान कोई नाबालिग नहीं मिला। इसके बजाय फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर एक्सपायरी डेट बदलने और दोबारा पैकिंग का पूरा खेल सामने आया। फर्जी डेट लगाकर बेचते थे विदेशी ग्रैंड के असली सामान जांच में पता चला कि आरोपी कम कीमत पर एक्सपायरी के करीब पहुंच चुके या एक्सपायर हो चुके विदेशी बैंड के खाद्य उत्पाद खरीदते थे। इसके बाद केमिकल थिनर से पुराने निर्माण और एक्सपायरी की तारीख मिटाई जाती थी। फैक्ट्री में लगी प्रिंटिंग मशीनों से नई तारीख, बारकोड, एमआरपी, अन्य लेबल छापकर नए जैसा बना दिया जाता था। इसके बाद उन्हें दोबारा पैक कर बाजार और विभिन्न ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म के जरिए बेचा जाता था।

बारिश में एक फिसलन और चली गई जान... ट्रांसफॉर्मर के पास करंट लगने से महिला की मौत

महाराष्ट्र के ठाणे में भारी बारिश के दौरान 35 साल की महिला की करंट लगने से मौत हो गई. डोंबिवली के कचेरी गांव में दुकान के लिए सामान लेकर लौट रही महिला ट्रांसफॉर्मर के पास फिसलकर गिर गई.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें 35 साल की महिला की करंट लगने से मौत हो गई. महिला बारिश के दौरान अपनी दुकान के लिए सामान लेने निकली थी, लेकिन घर लौटते समय बिजली के ट्रांसफॉर्मर के पास फिसलकर गिर गई. इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गई. पुलिस ने फिलहाल आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. एजेंसी के अनुसार, हादसा 1 जुलाई की रात डोंबिवली के कचेरी गांव में हुआ. मृतक महिला की पहचान शशि राहुल चक्र के रूप में हुई है. वह इलाके में एक छोटी दुकान चलाती थी और रोजमर्रा की जरूरत का सामान लेने घर से बाहर निकली थी. पुलिस का कहना है कि सामान लेकर लौटते समय रास्ते में बिजली के ट्रांसफॉर्मर के नजदीक महिला का बैलेंस बिगड़ गया. बारिश की वजह से सड़क फिसलन भरी थी, जिससे वह ट्रांसफॉर्मर के पास गिर गई. इसी दौरान बिजली के तार से चट हो गई और महिला को जोरदार करंट लग गया. घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत महिला की मदद की. स्थानीय लोगों ने तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. अस्पताल के डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में पुष्टि की कि महिला की मौत करंट की वजह से हुई. इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई. पुलिस ने फिलहाल आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है. अधिकारियों का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है. यह भी पता लगाया जा रहा है कि ट्रांसफॉर्मर के पास बिजली का तार कैसे पहुंचा और किस तरह की लापरवाही रही. बारिश के मौसम में इस तरह की घटनाएं बिजली सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं. जलभराव, खुले बिजली के तार और ट्रांसफॉर्मरों के आसपास सुरक्षा इंतजामों की कमी कई बार जानलेवा साबित होती है. ऐसे में प्रशासन और बिजली विभाग के लिए यह जरूरी हो जाता है कि बारिश के दौरान संवेदनशील इलाकों का नियमित जायजा लिया जाए और संभावित खतरे वाली जगहों सुरक्षा के इंतजाम किए जाएं. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

छोटा उदेपुर में किसानों को गरीब बनाने की बड़ी साज़िश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। मानसून शुरू होते ही छोटा उदेपुर ज़िले के भोले-भाले आदिवासी और लोकल किसानों को पैसे की तंगी में धकेलने का एक बहुत बड़ा स्कैम सामने आया है। छोटा उदेपुर के पारंपरिक हाट बाज़ारों में बिना किसी सरकारी ब्रांड या अथॉरिटी के बीज बेचे जा रहे हैं। लालची फेरीवालों का एक पूरा गैंग भोले-भाले किसानों को धोखा देकर मोटा मुनाफ़ा कमाने निकल पड़ा है, और लोकल एडमिनिस्ट्रेशन उन पर लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है। हाट बाज़ारों में बिकने वाले इन बीजों के आकर्षक पैकेट पर न किसी असली कंपनी का नाम होता है, न बनाने वाले का पता, और न ही कोई ज़रूरी डिटेल्स। चौंकाने वाली बात यह है कि ये बीज बिना किसी पक्के बिल के कैश में बेचे जा रहे हैं। सरकारी नियमों को पूरी तरह ताक पर रखकर की जा रही यह बिक्री साबित करती है कि बीज माफिया को कानून का कोई डर नहीं है। किसान इस समय बिना बिल के खरीदे गए इन बीजों की क्वालिटी और असली होने को लेकर बहुत परेशान हैं।

वडोदरा के किंगपिन नीरव पटेल और नीलेश सिंधी के नाम सामने आए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत/कामरेज। गुजरात में शराबबंदी कानून की ऐतिहासिक धज्जियां उड़ाते हुए एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। एक टिप-ऑफ के आधार पर, स्टेट विजिलेंस (SMC) टीम ने कामरेज के डिगास गांव के पास एक्सप्रेसवे 4 पर एक पूरे ट्रक को रोककर अब तक की सबसे बड़ी मात्रा में शराब जब्त की है। कड़ी सुरक्षा के बीच इतनी बड़ी मात्रा में शराब के गुजरात बॉर्डर में घुसने से लोकल पुलिस के पेट्रोलिंग सिस्टम और उसके मकसद पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। 85 लाख रुपये की शराब, 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा का कीमती सामान जब्त! स्टेट विजिलेंस टीम ने एक्सप्रेसवे पर संदिग्ध ट्रक की तलाशी ली तो अधिकारी भी हैरान रह गए। ट्रक के अंदर सीक्रेट प्लान और गुप्त प्लान के तहत छिपाई गई भारत में बनी विदेशी शराब की मात्रा मिली, जिसकी मार्केट वैल्यू 85 लाख रुपये से ज़्यादा है। पुलिस ने शराब समेत पूरे ट्रक को ज़ब्त कर लिया है और कुल 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा की रकम ज़ब्त की है। इसके साथ ही पुलिस ने मौके से ट्रक ड्राइवर को भी गिरफ़्तार कर लिया है। ट्रक ड्राइवर से कड़ी पूछताछ में जो नाम सामने आए हैं, उनसे पुलिस में भी खलबली मच गई है। पता चला है कि करोड़ों की यह शराब किसी और ने नहीं बल्कि वडोदरा के बदनाम बूटलेगर नीरव पटेल और नीलेश सिंधी ने मंगवाई थी। वडोदरा में बैठकर पूरे गुजरात में ड्रग्स का जाल बिछाने वाले इन किंगपिन जैसे बूटलेगरों ने सूरत के रास्ते वडोदरा में माल पहुँचाने के लिए एक बड़ा नेटवर्क बनाया था, लेकिन गांधीनगर में स्टेट विजिलेंस टीम ने उनके प्लान को नाकाम कर दिया है।

सबसे बड़ा सवाल: जब तक 1 करोड़ रुपये की शराब से लदा ट्रक हाई-टेक CCTV और पुलिस चेकपॉइंट से लैस एक्सप्रेसवे पर कामरेज नहीं पहुँच गया, तब तक लोकल पुलिस चैन की नींद क्यों सोती रही? क्या एक्सटॉर्शन का कोई खेल चल रहा था? वडोदरा के नीरव पटेल और नीलेश सिंधी जैसे आदतन अपराधी कब तक पुलिस की गिरफ़्त से बाहर रहेंगे? कौन से बड़े राजनीतिक आका उनका साथ दे रहे हैं? स्टेट विजिलेंस ने तो कार्रवाई की है, लेकिन इस रास्ते में आने वाले लोकल पुलिस थानों के ज़िम्मेदार अफ़सरों के ख़िलाफ़ सस्पेंड करने की कार्रवाई कब होगी? गुजरात को नशा-मुक्त बनाने का दावा करने वाली सरकार इन शराब माफ़ियाओं की पूरी प्रॉपर्टी ज़ब्त करके कब मिसाल कायम करेगी? राज्य की स्टेट विजिलेंस टीम ने यह रेड करके लोकल पुलिस की खोखली सिक्योरिटी को बेनकाब कर दिया है। महानगर मेट्रो इस मुद्दे को जनता के सामने तब तक लड़ता रहेगा जब तक वडोदरा के ये असली आका जेल नहीं चले जाते।

तलाक से नाराज जीजा ने साला पर किया चाकू से हमला, पुलिस ने आरोपी जीजा को भेजा जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

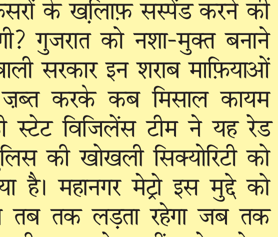

राजनांदगांव। पारिवारिक विवाद और तलाक के मामले से नाराज होकर अपने साले पर जानलेवा हमला करने वाले एक शातिर बदमाश को सिटी कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जीजा रात के अंधेरे में छत के रास्ते घर में घुसा और सोते हुए साले पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थिया की शादी वर्ष 2018 में रूआबांधा (भिलाई, जिला दुर्ग) निवासी राजेन्द्र बेनसा के साथ हुई थी। शादी के बाद से ही राजेंद्र अपनी पत्नी के साथ अक्सर मारपीट करता था, जिससे तंग आकर वह अपने मायके राजनांदगांव में रह रही थी। दोनों के बीच न्यायालय में तलाक का मामला भी चल रहा है। इसी बात से आरोपी राजेंद्र बेनसा लगातार नाराज चल रहा था। दिनांक 3 जुलाई 2026 की रात करीब 3:30 बजे, जब पीड़ित अपने बुआ के लड़के आशीष शेण्डे के साथ घर के ऊपरी कमरे में सोया हुआ था, तभी आरोपी राजेंद्र बेनसा बगल के घर की छत से होते हुए कमरे में दाखिल हुआ। उसने सोते हुए अपने साले पर धारदार चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके बाएं घुटने पर गंभीर चोट आई। पीड़ित के चिल्लाने पर पास सोया आशीष जाग गया और बीच-बचाव किया। इसके बाद आरोपी अश्लील गालियां देते हुए और जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग निकला।

असम को अब ध्रुवीकरण की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया बड़ा दावा और कहा... लोगों का आत्मविश्वास लौटा, कानून-व्यवस्था मजबूत हुई

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की राजनीति और सामाजिक माहौल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम के मूल निवासियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए राज्य को एक ध्रुवीकरण करने वाले नेतृत्व की जरूरत थी और उन्होंने स्वयं उस भूमिका को निभाया। सरमा का दावा है कि अब राज्य में लोगों का भरोसा मजबूत हो चुका है और इसलिए आगे ध्रुवीकरण की आवश्यकता नहीं रह गई है।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि पहले असम के लोगों को लगता था कि उनके हितों की रक्षा करने वाला कोई मजबूत नेतृत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और लोगों को विश्वास हो गया है कि राज्य सरकार किसी एक समुदाय का पक्ष लेने के बजाय कानून के अनुसार शासन कर रही है। उनके अनुसार, अब कोई भी असमिया समाज को आसानी से चुनौती नहीं दे सकता और कानून-व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। सीएम सरमा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अब असम में ध्रुवीकरण की आवश्यकता है। मैंने उस खतरे को नियंत्रित कर लिया है। अब कोई भी असमिया लोगों पर उंगली नहीं उठा सकता। अब कोई मंदिरों की जमीन पर कब्जा करने या किसी लड़की को उसकी सहमति के बिना ले जाने की हिम्मत नहीं करता। जब सभी लोग कानून का पालन करने लगते हैं तो रोज इस विषय पर बोलने की जरूरत नहीं रहती।

एक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री सरमा ने यह भी कहा कि असमिया मुसलमानों सहित राज्य के मूल निवासियों में अपने भविष्य को लेकर पहले असुरक्षा की भावना थी। उनका कहना था कि लोगों को ऐसे नेतृत्व की जरूरत थी जो उनके अधिकारों और हितों के पक्ष में खुलकर बोले। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार बनने के बाद लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे स्वयं को अधिक सशक्त महसूस करते हैं। इस दौरान हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अपनी पारंपरिक मध्यमार्गी राजनीति से हटकर वामपंथी विचारधारा और जाति आधारित राजनीति की ओर बढ़ गई है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस में अपने 22 वर्षों के राजनीतिक जीवन के दौरान उन्होंने कभी जाति आधारित राजनीति या इस प्रकार की कार्यशैली नहीं देखी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पहले एक संतुलित और मध्यमार्गी दल थी, लेकिन अब उसकी वैचारिक दिशा बदल चुकी है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है। हालांकि, उनकी हालत नियंत्रण में है और चिंता की कोई बात नहीं है। शिंदे की अस्वस्थता का असर राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। ठाणे के गंगूबाई शिंदे हॉल में शुक्रवार को धुले से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की उपनेत्री शुभांगी पाटिल के पार्टी प्रवेश का कार्यक्रम प्रस्तावित था। उपमुख्यमंत्री की तबीयत खराब होने के कारण इस कार्यक्रम का समय बदलना पड़ा। बाद में देर रात करीब दो बजे कल्याण से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की मौजूदगी में शुभांगी पाटिल ने शिवसेना में प्रवेश किया।

बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए हजारों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर अग्रसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 अपने शुभारंभ के बाद पूरी भव्यता के साथ जारी है। बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में, तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शनिवार को बालटाल और पहलगाम स्थित दो बेस कैंपों की ओर सुरक्षित रूप से रामबन जिले में पहुंचा। कड़ी सुरक्षा के बीच गुज़र रहे काफिले के लिए रामबन प्रशासन ने सुचारु ट्रैफिक प्रबंधन, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता और अन्य ज़रूरी सुविधाओं का पुख्ता इंतज़ाम किया था, ताकि यात्रा निर्बाध रूप से चालू रह सके।

इसके पहले, यात्रा के दूसरे दिन 3,865 श्रद्धालुओं के दूसरे जत्थे को भगवती नगर बेस कैम्प, जम्मू से बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया था। यह जत्था सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग काफिलों में निकला। बालटाल मार्ग के लिए 1,735 तीर्थयात्री तड़के 3ः13 बजे रवाना हुए, जबकि पहलगाम मार्ग की ओर जाने वाले 2,130 तीर्थयात्री 3ः38 बजे निकले। इस जत्थे में 2,965 पुरुष, 618 महिलाएं, 230 साधु, 48 साध्वियां और 4 बच्चे शामिल थे, जो कुल 201 वाहनों 83 बसें, 14 मीडियम मोटर वाहन और 104 लाइट मोटर वाहन में यात्रा कर रहे थे।

वहीं, शुक्रवार को ही, दक्षिण कश्मीर में स्थित बालटाल व पहलगाम-नुनवान बेस कैम्पों से अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को तड़के रवाना किया गया। बीच-बीच में बारिश के बावजूद, पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और छोटे 14 किलोमीटर लंबे बालटाल रूट, दोनों से सुबह-सुबह यात्रा का श्रीगणेश हुआ। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को दूसरे जत्थे के रवाना होने तक, पिछले दो दिनों में कुल 8,687 तीर्थयात्री वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए निकल चुके हैं। यह 57 दिवसीय पवित्र तीर्थयात्रा 28 अगस्त को समाप्त होगी।

चन्नी पर भारी पड़ा हाईकमान का फैसला

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बढ़ी हलचल, ऑब्जर्वर पैनल की सिफारिश भी नहीं आई काम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच पार्टी हाईकमान के फैसले ने नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, पंजाब की राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के लिए गठित कांग्रेस के तीन सदस्यीय ऑब्जर्वर पैनल ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की थी। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने मौजूदा अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को उनके पद पर बरकरार रखने का फैसला किया, जिससे संगठन के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजन लाल जाटव की सदस्यता वाली समिति ने पंजाब के करीब 67 वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी राय जानी। इस दौरान कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों, पूर्व मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों तथा वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई नेताओं से विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं से विशेष रूप से पूछा गया कि क्या प्रदेश संगठन के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता है। सूत्रों की मानें तो अधिकांश नेताओं ने पिछले साढ़े चार वर्षों से प्रदेश अध्यक्ष रहे राजा वड़िंग के कामकाज पर असंतोष व्यक्त करते हुए चन्नी को संगठन की कमान सौंपने की वकालत की। समिति ने नेताओं की राय को अपनी रिपोर्ट में शामिल करते हुए चन्नी को राज्य में कांग्रेस का सबसे लोकप्रिय चेहरा बताया। इससे चन्नी समर्थकों को नेतृत्व परिवर्तन की पूरी उम्मीद थी। हालांकि, कांग्रेस हाईकमान ने नेतृत्व में बदलाव के बजाय यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय लिया। राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा गया, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस फैसले के बाद पार्टी के कुछ नेताओं ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि नेतृत्व बदलने का इरादा नहीं था तो व्यापक स्तर पर रायशुमारी कराने का औचित्य क्या था।

वहीं, पार्टी के भीतर एक अन्य धड़ा हाईकमान के फैसले का समर्थन करता नजर आ रहा है। इस वर्ग का मानना है कि चन्नी लोकप्रिय नेता जरूर हैं, लेकिन संगठन और विधायकों के बीच उनकी वास्तविक पकड़ को लेकर अभी भी सवाल बने हुए हैं। ऐसे में आगामी चुनावी तैयारियों के दौरान यह स्पष्ट होगा कि पंजाब कांग्रेस इस फैसले के बाद कितनी एकजुट रह पाती है और आंतरिक असंतोष का पार्टी के प्रदर्शन पर क्या असर पड़ता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर भड़के महंत, बोले- दोषियों को सीधे फांसी दे दो

अयोध्या (एजेंसी)। नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में रामलला के चरणों में आने वाले चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले ने अब एक गंभीर मोड़ ले लिया है। इस मामले पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और प्रतिष्ठित महंत दिनेंद्र दास महाराज ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने दोषियों के लिए सबसे कड़ी सजा की मांग करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि भगवान के घर में इस तरह का अपराध करने वालों को सीधे फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए। यह बयान इस बात को दर्शाता है कि धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय अनियमितता को कितना गंभीर अपराध माना जाता है, खासकर एक ऐसे मंदिर में जो करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है।

इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले में अपनी जांच तेज कर दी है। एसआईटी ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि वित्तीय हेरफेर के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके और गबन किए गए धन की रिकवरी की जा सके। एसआईटी की टीम राम मंदिर परिसर में पहुंचकर क्राइम सीन रीक्रिएट कर रही है, जो यह समझने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है कि चोरी कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। महंत दिनेंद्र दास महाराज ने जांच की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है और उन्हें भरोसा है कि स्थानीय प्रशासन पूरी ताकत से काम कर रहा है और गबन की गई राशि को पूरी तरह से वसूल लिया जाएगा। उन्होंने कहा, रामलला के यहां जांच चल रही है वो सरकार की देखरेख में हो रही है। जो चोर हैं वो जेल में पहुंच गए हैं। चोरी कम हो या ज्यादा, चोरी तो चोरी है। शासन पूरी तरह जांच कर रहा हैं। चोर अपनेआप जेल में पहुंच जाएगा। जिन्होंने रामलला के यहां ये काम किया है उन्हें फांसी दे देनी चाहिए। इस कथित चोरी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी एक बड़ा भूचाल ला दिया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने इस घटना को बेहद हैरान करने वाला बताया है और राज्य सरकार के सुरक्षा दावों पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने तर्क दिया कि चोरों और माफियाओं को खत्म करने का दावा करने वाली सरकार देश के सबसे हाई-प्रोफाइल मंदिर के चढ़ावे को सुरक्षित रखने में नाकाम रही। यह आरोप सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है, खासकर जब मंदिर का उद्घाटन हाल ही में हुआ है और यह लगातार सुर्खियों में है। विपक्ष के इन तीखे हमलों पर पलटवार करते हुए, शिवसेना नेता शाइना एनसी ने मंदिर प्रशासन का खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आस्था का एक पवित्र केंद्र है, न कि कोई व्यावसायिक संस्था। शाइना एनसी ने जोर देकर कहा, लोगों ने जो दान दिया है, वह पब्लिक डोमेन में है।

अहमदाबाद के नए कैप्टन: विजय मुहूर्त में अनुपमसिंह गहलोत ने कमिश्नर का चार्ज संभाला, क्रिमिनल्स में खलबली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सख्त और पावरफुल IPS ऑफिसर अनुपमसिंह गहलोत ने आखिरकार गुजरात की इकोनॉमिक कैपिटल और मेगा सिटी अहमदाबाद में लॉ एंड ऑर्डर के हेड के तौर पर ऑफिशियली चार्ज ले लिया है। उन्होंने कमिश्नर ऑफिस में विजय मुहूर्त के पवित्र समारोह और पवित्र समय के दौरान चार्ज संभाला। चार्ज संभालते ही उन्होंने पुलिस फोर्स के सीनियर ऑफिसर्स के साथ मीटिंग की और साफ सिग्नल दिया कि अहमदाबाद शहर में क्राइम और एंटी-सोशल एलिमेंट्स के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' पॉलिसी अपनाई जाएगी। कमिश्नर ऑफिस में एक बहादुर और अनुभवी ऑफिसर ने बैटन, गार्ड ऑफ ऑनर संभाला जैसे ही नए पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत कमिश्नर ऑफिस पहुंचे, अहमदाबाद पुलिस ने उन्हें ट्रेडिशनल 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर उनका ग्रैंड वेलकम किया। वडोदरा, सूरत और राजकोट जैसे सेंसिटिव शहरों में कमिश्नर के तौर पर सक्सेसफुली काम कर चुके गहलोत अपनी टफ इमेज और ऑर्गेनाइज्ड पुलिसिंग के लिए जाने जाते हैं। विजय मुहूर्त में चार्ज संभालकर उन्होंने यह साबित कर दिया है कि उनका एकमात्र संकल्प अहमदाबाद शहर को क्राइम-फ्री और सेफ बनाना है। शहर में लॉ एंड ऑर्डर मजबूत करने पर फोकस, बूटलेगर और सूदखोरों पर लगाम कसेंगे चार्ज संभालने के तुरंत बाद, नए कमिश्नर ने शहर में ट्रैफिक, साइबर क्राइम, महिला सुरक्षा और ड्रग माफिया के खिलाफ सख्त एक्शन लेने को प्राथमिकता दी है। इस बात की पूरी संभावना है कि आने वाले दिनों में बड़े पैमाने पर चल रहे गैर-कानूनी धंधों, बूटलेगरों की मनमानी और गरीबों का खून चूसने वाले सूदखोरों के खिलाफ एक बड़ी ड्राइव शुरू होगी, खासकर ईस्ट और वेस्ट अहमदाबाद में। नए कैप्टन के आते ही कुछ करप्ट पुलिसवालों में भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है जो खाकी वर्दी पहनकर पैसे वसूल रहे हैं।

ब्यावर की नन्ही प्रतिभा डेलिशा अग्रवाल ने रचा इतिहास, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कराया नाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ब्यावर। राजस्थान के ब्यावर शहर की मात्र 5 वर्षीय होनहार बालिका डेलिशा अग्रवाल ने अपनी विलक्षण प्रतिभा के दम पर पूरे देश में ब्यावर का नाम रोशन किया है। डेलिशा को उनकी असाधारण स्मरण शक्ति एवं धार्मिक स्तुतियों के प्रभावशाली कंठस्थ पाठ के लिए इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा प्रतिष्ठित IBR Achiever सम्मान से सम्मानित किया गया है। इतनी कम उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर डेलिशा ने साबित कर दिया कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। उनकी इस सफलता से न केवल परिवार बल्कि संपूर्ण ब्यावर शहर में हर्ष और गौरव का वातावरण है। डेलिशा ने अपने रिकॉर्ड के तहत गिरिजा स्तुति, श्रीराम स्तुति, मराठी भाषा में गणेश आरती तथा आरती कुंज बिहारी की अत्यंत मधुर, शुद्ध एवं आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति देकर निर्णायकों को प्रभावित किया। धार्मिक संस्कारों एवं अद्भुत स्मरण क्षमता का यह अनूठा संगम उन्हें देशभर के प्रतिभाशाली बच्चों की श्रेणी में विशेष स्थान दिलाने में सफल रहा। डेलिशा प्रतिष्ठित विजय ज्वैलर्स परिवार से संबंध रखती हैं। वह ब्यावर के सुप्रसिद्ध सर्राफ नेमीचंद जी सर्राफ की पड़पोत्री, श्री विजय सर्राफ एवं श्रीमती सीमा सर्राफ की पोत्री तथा श्री शिवम अग्रवाल एवं श्रीमती निशा अग्रवाल की सुपुत्री हैं। परिवार ने डेलिशा को बचपन से ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कार प्रदान किए, जिसका परिणाम आज पूरे देश के सामने है। डेलिशा की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर समाज के विभिन्न संगठनों, गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों ने परिवार को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। वर्द्धमान परिवार ने भी डेलिशा एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे ब्यावर के लिए गर्व का विषय है। परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना की कि डेलिशा भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर अपने माता-पिता, परिवार, समाज, राजस्थान और देश का नाम रोशन करती रहें। नन्ही डेलिशा की यह सफलता आज के बच्चों के लिए प्रेरणा है कि यदि बचपन से अच्छे संस्कार, नियमित अभ्यास और परिवार का सहयोग मिले तो छोटी उम्र में भी बड़े-बड़े मुकाम हासिल किए जा सकते हैं।

बसों में भीषण आग के हादसों में जा रही यात्रियों की जान, क्यों हो रही ऐसी घटनाएं?

–विशेषज्ञों ने कहा– बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़की, विंडो हैमर जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे हुए भीषण बस हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्री बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हरिद्वार से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस ट्रक से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गई। हादसे के समय बस में करीब 37 यात्री सवार थे। दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 यात्री घायल हुए हैं। यह घटना देर रात हुई। टक्कर के बाद बस में आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बस जलकर खाक हो गई। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ महीनों में देश के कई राज्यों में बसों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। अक्टूबर 2025 में राजस्थान के जैसलमेर में विद्युत प्रणाली में खराबी के कारण बस में आग लगने से 22 लोगों की मौत हो गई थी। इसी महीने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बाइक से टक्कर के बाद बस में भीषण आग लग गई, जिसमें कई यात्रियों की जान चली गई। मार्च 2026 में आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम में बस और टिप्पर की टक्कर के बाद लगी आग में भी कई लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने यात्री सुरक्षा से जुड़े मानकों की प्रभावशीलता पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे हादसों के पीछे इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, आपातकालीन दरवाजों का समय पर न खुलना और बसों के अंदर ज्वलनशील सामग्री का उपयोग प्रमुख कारणों में शामिल हैं। उनका मानना है कि यदि आधुनिक सुरक्षा तकनीकों को अनिवार्य किया जाए तो ऐसी घटनाओं में जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सुरक्षा विशेषज्ञों का सुझाव है कि विशेष रूप से निजी इंटरसिटी स्लीपर बसों में ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन और फायर सप्रेशन सिस्टम अनिवार्य किए जाने चाहिए। इंजन, बैटरी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम में आग लगते ही यह तकनीक शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा बसों के इंटीरियर में फ्लेम-रिटार्डेंट यानी आग के प्रसार को रोकने वाली सामग्री का इस्तेमाल भी जरूरी माना जा रहा है।

विशेषज्ञों ने कहा कि बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़कियों और विंडो हैमर की स्पष्ट पहचान होनी चाहिए। यात्रा शुरू होने से पहले यात्रियों को सुरक्षा संबंधी संक्षिप्त जानकारी देना भी जरुरी है। बसों के दरवाजों की नियमित जांच, चालक दल को अग्निशमन प्रशिक्षण, निर्धारित गति सीमा का पालन और एक्सप्रेसवे पर रात के समय लंबी दूरी की बसों की सख्त निगरानी जैसी व्यवस्थाएं भी हादसों की गंभीरता कम कर सकती हैं। सड़क परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए सरकार, परिवहन विभाग और बस संचालकों को मिलकर व्यापक और स्थायी सुधार लागू करने होंगे, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 5.65 अरब डॉलर घटा, स्वर्ण भंडार में भारी कमी

पश्चिम एशिया संघर्ष और रुपए पर दबाव के बीच गिरावट जारी

नई दिल्ली।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 26 जून को समाप्त सप्ताह में 5.65 अरब डॉलर की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जिससे यह 666.93 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह गिरावट पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रुपए पर बढ़ते दबाव और केंद्रीय बैंक के डॉलर बेचकर बाजार हस्तक्षेप के बाद आई है। फरवरी में 728.49 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में कमी देखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 11 मई से देशवासियों से विदेशी मुद्रा की बचत करने, विदेश यात्राएं कम करने और एक वर्ष तक सोने की खरीदारी से बचने की अपील की है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, इस सप्ताह स्वर्ण भंडार का मूल्य सर्वाधिक 5.39 अरब डॉलर घटकर 102.54 अरब डॉलर रह गया। वहीं, विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 15 करोड़ डॉलर और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 8.9 करोड़ डॉलर कम हो गए। एक अन्य आर्थिक घटनाक्रम में, शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दर्ज की गई और बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। आईटी शेयरों में शानदार खरीदारी और अनुकूल वैश्विक संकेतों से बाजार को मजबूती मिली।

सरकार गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम 2.0 लॉन्च करने की तैयारी में

जौहरियों को बनाया जाएगा कलेक्शन पार्टनर, 1,000 टन सोना लाने का लक्ष्य

मुंबई ।

केंद्र सरकार एक बार फिर अपनी गोल्ड मोनेटाईजेशन स्कीम (जीएमएस) को नए सिरे से पेश करने की तैयारी में है। इसका मुख्य उद्देश्य घरों और लॉकरों में पड़े अनुमानित 25,000 टन निष्क्रिय सोने को औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनाना है, जिससे देश का भारी सोने का आयात बिल कम हो सके और नकदी प्रवाह बढ़ सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई योजना में जौहरियों को भी कलेक्शन पार्टनर के रूप में शामिल किया जा सकता है, जिससे लोगों के लिए सोना जमा कराना आसान और भरोसेमंद बने। सरकार का लक्ष्य कुल 25,000 टन में से करीब 1,000 टन सोना बाजार में लाना है। यदि इसका सिर्फ 5 फीसदी हिस्सा भी सिस्टम में आता है, तो अर्थव्यवस्था में लगभग 8.5 लाख करोड़ रुपए की नकदी जुड़ सकती है और सोने का आयात बिल काफी कम हो सकता है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील से भी जुड़ी है, जिसमें उन्होंने लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की सलाह दी थी। 2015 में शुरू हुई जीएमएस का प्रदर्शन कमजोर रहा, 10 सालों में सिर्फ 38 टन सोना जुटाया जा सका। इसकी मुख्य वजहें भावनात्मक लगाव, टैक्स का डर, और ब्याज दरों (2.25-2.5 फीसदी) तथा सोने की कीमतों पर अनिश्चितता थीं। नई योजना इन चुनौतियों को दूर करने का प्रयास करेगी।

आईपीओ में म्यूचुअल फंडों की रिकॉर्ड भागीदारी, छोटे शेयरों की ओर बढ़ा रुझान

परिसंपत्ति प्रबंधक अब 4,000 करोड़ रुपये से कम पूंजी वाली कंपनियों पर लगा रहे दांव

नई दिल्ली ।

ईरान युद्ध के बाद से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में म्यूचुअल फंडों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। प्राइमडेटाबेस डॉट कॉम के आंकड़ों के अनुसार फरवरी के अंत में युद्ध शुरू होने के बाद से आए 13 आईपीओ में जुटाई गई कुल रकम का 32.3 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों से आया है, जो पहले के 20 फीसदी के आंकड़े से कहीं अधिक है। यह बढ़ोतरी कई वर्षों के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जो छोटे बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के प्रति परिसंपत्ति प्रबंधकों के बढ़ते रुझान को दर्शाती है। बढ़ती हिस्सेदारी का वार्षिक विश्लेषण- यह रुझान 2023 से लगातार बढ़ता दिख रहा है। 2023 में आए आईपीओ से मिली कुल रकम का 17 फीसदी हिस्सा म्यूचुअल फंडों ने खरीदा था, जो 2024 में बढ़कर 20 फीसदी, 2025 में 22 फीसदी और जून 2026 तक 29 फीसदी तक पहुंच गया। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद के 13 आईपीओ में यह आंकड़ा 32.3 फीसदी के साथ सबसे अधिक रहा, जो बाजार में म्यूचुअल फंडों के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। एक फाइनैंशियल सर्विसेज के अनुसार हाल के समय में बड़ी कंपनियों के मुकाबले छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

शेयर बाजार का तूफानी हफ्ता, सुस्त शुरुआत के बाद धमाकेदार अंत

शुरुआती दो दिनों में भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी ने बाजार को डुबोया

मुंबई ।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को शुरू हुआ कारोबारी हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सोमवार और मंगलवार को वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के कारण बाजार लाल निशान में रहे, जिससे निवेशकों में चिंता का माहौल रहा। हालांकि, बुधवार और गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते बाजार ने शानदार वापसी की। सप्ताह के अंत तक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों रिकॉर्ड नई ऊंचाइयों पर बंद होने में कामयाब रहे, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल दिखा। हफ्ते की शुरुआत सोमवार 29 जून को भारतीय शेयर बाजार में भू-राजनीतिक तनाव के चलते सुस्ती के साथ हुई। सोमवार को शुरुआती बढ़त के बाद सेंसेक्स लाल निशान पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी गिरावट के साथ अपने अहम 24,000 के स्तर से नीचे आ गया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां मासिक एक्सपायरी की अस्थिरता के बीच प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन लाल निशान में बंद हुए। इन दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमशः लगभग 0.48 फीसदी और 0.46 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिससे निफ्टी 23,900 के महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे खिसक गया। हालांकि, बुधवार को बाजार ने जोरदार वापसी की। वैश्विक इक्विटी में सकारात्मक रुझान और कच्चे तेल की कीमतों में कमी ने निवेशकों को सहारा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेंसेक्स 443.97 अंक (0.58 फीसदी) और निफ्टी 140.10 अंक (0.59 फीसदी) की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन जल्द होगा लांच

नई दिल्ली ।

स्कोडा की लोकप्रिय सेडान स्लाविया का मिड-लाइफ फेसलिफ्ट वर्जन इस साल अगस्त में लॉन्च होने वाला है। उम्मीद है कि अपडेटेड स्लाविया एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में कई बड़े बदलावों के साथ आएगी, जिससे यह बाजार में अपनी स्थिति और मजबूत कर सके। एक्सटीरियर में सबसे बड़ा बदलाव फ्रंट लुक में दिखेगा, जहां पहले से बड़ी और अधिक बोल्ड फ्रंट ग्रिल दी जाएगी। इसमें नए डिजाइन वाले मोटे स्लैट्स और नई स्लिम एलईडी हेडलाइट्स होंगी, जिनके अंदर का डिजाइन भी पूरी तरह नया होगा। एलईडी डे-टाइम रनिंग लाइट्स (डीआरएल) का डिजाइन भी बदला जाएगा, जिसमें कुशाक फेसलिफ्ट की तरह डॉटेड कनेक्टेड पैटर्न देखने को मिल सकता है। इसके अलावा, फ्रंट बंपर को भी नए डिजाइन के साथ ऑफर किया जाएगा। कार के रियर में भी बदलाव किए जाएंगे, जिसमें नए डिजाइन की एलईडी टेललाइट्स मिलेंगी। साथ ही, कुशाक की तरह इल्यूमिनेटेड स्कोडा लेटरिंग भी देखने को मिलेगा, जिससे कार का प्रीमियम लुक बढ़ेगा। रियर बंपर का डिजाइन भी नया होगा, जो समग्र रूप से एक ताज़ा और आधुनिक अपील देगा।

आरबीआई ने बीओबी पर लगाया 63.6 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानकों के उल्लंघन के आरोप में बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक के निरीक्षण में इन वित्तीय संस्थाओं में कई कमियां उजागर हुईं। बैंक आफ बड़ौदा पर 63.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि एक वैधानिक निरीक्षण में पाया गया कि बैंक ने कुछ ऋण खातों में निर्धारित दर से अधिक ब्याज वसूला। इसके अतिरिक्त, बैंक कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड को निर्धारित समयसीमा के भीतर सेंट्रल केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री पर अपलोड करने में भी विफल रहा। इसी क्रम में जीआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। कंपनी केवाईसी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के साथ-साथ खातों के जोखिम वर्गीकरण की छह महीने में एक बार समीक्षा करने की प्रणाली लागू करने में नाकाम रही। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि ये जुर्माने केवल नियामक अनुपालन में पाई गई कमियों के लिए हैं और इनका उद्देश्य किसी भी लेनदेन की वैधता पर टिप्पणी करना नहीं है।

आर्थिक आंकड़ों में बड़ा बदलाव, वास्तविक जीडीपी गणना में अब पीपीआई डिफ्लेटर

जून तिमाही से लागू होगी नई गणना प्रणाली; 31 अगस्त को जारी होंगे संशोधित अनुमान

नई दिल्ली ।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने भारतीय आर्थिक आंकड़ों की गणना में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। मंत्रालय अब जून तिमाही (वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही) से वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों की गणना के लिए आउटपुट उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को डिफ्लेटर के तौर पर इस्तेमाल करेगा। यह कदम देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतक के आकलन के तरीके में एक संरचनात्मक परिवर्तन लाएगा, जिसका उद्देश्य आर्थिक वास्तविकताओं को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित करना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, सांख्यिकी मंत्रालय 31 अगस्त को पिछले वर्षों के लिए संशोधित वास्तविक जीडीपी अनुमान भी जारी करेगा, जिसमें डिफ्लेटर के तौर पर आउटपुट पीपीआई का इस्तेमाल किया जाएगा। इसी दिन वित्त वर्ष 2027 की अप्रैल-जून अवधि के लिए राष्ट्रीय लेखा के आंकड़े भी जारी किए जाएंगे। इस बदलाव का सीधा असर पिछले तीन वित्त वर्षों के आंकड़ों पर पड़ेगा। एक अधिकारी ने बताया, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही का जीडीपी डेटा आउटपुट पीपीआई पर आधारित होगा। वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए जारी अनुमान स्थिर कीमतों पर अनुमान से बदल जाएंगे क्योंकि अब इसमें पीपीआई को शामिल किया जाएगा। संशोधित श्रृंखला अगस्त में आएगी।यह महत्वपूर्ण निर्णय सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा 29 जून को जारी औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के आंकड़ों के बाद आया है, जिसमें थोक मूल्य सूचकांक (WPI) की जगह आउटपुट-पीपीआई का इस्तेमाल डिफ्लेटर के तौर पर किया गया था। इस पृष्ठभूमि में, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 15 जून को भारत का पहला उत्पादक मूल्य सूचकांक ढांचा जारी किया था, जिसमें आउटपुट पीपीआई, इनपुट पीपीआई और सेवा पीपीआई शामिल हैं।

ईपीएफओ पोर्टल का बड़ा अपग्रेड यूएएन सेवाएं अब उमंग ऐप पर

सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ी, पोर्टल पर यूएएन ढूंढना हुआ आसान

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल को नए इंटरफेस और बेहतर सुरक्षा सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया है। एक सप्ताह के रखरखाव के बाद दोबारा शुरू हुए इस पोर्टल पर अब यूएएन एक्टिवेशन और नया यूएएन जनरेट करने जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं सीधे उपलब्ध नहीं होंगी। इन्हें सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से उमंग ऐप पर स्थानांतरित कर दिया गया है। इस बड़े बदलाव के बाद, अब ईपीएफओ सदस्य उमंग ऐप के माध्यम से ही अपने यूएएन को एक्टिवेट कर सकेंगे। इसके लिए आधार-आधारित फेस ऑथेंटिकेशन का उपयोग किया जा सकेगा।

इसी तरह नया यूएएन जनरेट करने या पहले से मौजूद पीएफ खाते से नए यूएएन को लिंक करने की प्रक्रिया भी अब केवल उमंग ऐप पर ही उपलब्ध होगी, जिसके लिए मोबाइल नंबर सत्यापन आवश्यक होगा। हालांकि ईपीएफओ ने अपने यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर यूएएन ढूंढना पहले से आसान बना दिया है। सदस्य अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज कर, पहचान प्रमाण अपलोड करने और ओटीपी सत्यापन के बाद अपना यूएएन दोबारा प्राप्त कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त सदस्य की मृत्यु के बाद नॉमिनी या लाभार्थी द्वारा किए जाने वाले डेथ क्लेम और पेंशन से जुड़े दावे पहले की तरह ईपीएफओ के यूनिफाइड मेंबर पोर्टल पर ही उपलब्ध रहेंगे। उमंग भारत सरकार का एक आधिकारिक ऐप है, जो ईपीएफओ सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं को नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित, डिजिटल और उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाता है।

इस कदम का उद्देश्य सेवाओं को और अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाना है।

निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि का अनुमान

वित्त वर्ष 27 तक 1 ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की ओर भारत

नई दिल्ली ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि भारत को चालू वित्त वर्ष में वस्तु निर्यात में 16-17 प्रतिशत और सेवा निर्यात में 10-11 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। व्यापार बोर्ड की बैठक में उन्होंने बताया कि यह अनुमान भारत को वित्त वर्ष 2027 तक वस्तु निर्यात में लगभग 515 अरब और सेवा निर्यात में 470 अरब तक पहुंचने में मदद करेगा, जिससे देश कुल 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, बैठक में सतत और तकनीकी टेक्सटाइल, परफॉर्मेंस अपैरल और मेडिकल टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों की पहचान की गई। निर्यात प्रोत्साहन प्रयासों को क्षेत्रीय विनिर्माण क्षमता से जोड़ने के लिए राज्य-केंद्रित उत्पादन का खाका भी प्रस्तुत किया गया। व्यापार नीति पर शीर्ष सलाहकार संस्था, बीओटी की बैठक में भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का प्रभावी ढंग से उपयोग करने, आयात का विकल्प तैयार करने और डंपिंग को रोकने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सरकार इस साल कम से कम दो और एफटीए लागू करने की तैयारी में है। एफटीए के इस्तेमाल को अधिकतम करने के लिए एक पांच-सूत्रीय रणनीतिक फ्रेमवर्क पर चर्चा की गई, जिसमें मौजूदा निर्यात को बढ़ावा देना, नए क्षेत्रों में विविधता लाना और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना शामिल है।

सस्ते आयात से एल्युमीनियम उद्योग पर खतरा, सरकार से शुल्क बढ़ाने की मांग

घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर पड़ रहा है गंभीर असर

नई दिल्ली ।

एल्युमीनियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएआई) ने सरकार से एल्युमीनियम उत्पादों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) बढ़ाने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि सस्ते आयात और वैश्विक संरक्षणवाद के बढ़ते दबाव से घरेलू निवेश और सरकारी राजस्व पर गंभीर असर पड़ रहा है। एएआई ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को लिखे एक पत्र में कहा है कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग फिलहाल आयात में तेजी से वृद्धि और निर्यात बाजारों तक पहुंच में कमी जैसी दोहरी समस्याओं से जूझ रहा है। संगठन ने अनुमान लगाया है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रहती है, तो वित्त वर्ष 2025-2026 में एल्युमीनियम आयात रिकॉर्ड 34.8 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंच सकता है, जिससे देश से 88,400 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बाहर जाएगी। एएआई ने बताया कि भारतीय एल्युमीनियम उद्योग देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है, प्रति वर्ष लगभग 30,000 करोड़ रुपये का राजस्व देता है, आठ लाख नौकरियां प्रदान करता है और लगभग 4,000 एमएसएमई का समर्थन करता है। संगठन ने चेतावनी दी है कि बढ़ते आयात से प्रमुख उत्पादकों के 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर खतरा मंडरा रहा है। ये निवेश भविष्य में भारत की प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन क्षमता को दोगुना कर 90 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंचाने और एक लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा करने की क्षमता रखते हैं।

बच्चों के शोषण पर मेटा की जवाबदेही तय आईटी मंत्रालय ने भेजा समन

राजस्व से जुड़े मामलों में ज़िम्मेदारी से नहीं बच पाएगी कंपनी

नई दिल्ली ।

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों के गंभीर आरोपों के मद्देनजर इंटरनेट कंपनी मेटा को तलब किया है। मंत्रालय ने कंपनी के एल्गोरिदम और ऐसे मामलों में उसकी जवाबदेही पर स्पष्टीकरण मांगा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि राजस्व से जुड़े ऐसे मामलों में मेटा तीसरे पक्ष की सामग्री का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव के निर्देश पर मंत्रालय ने मेटा से स्पष्टीकरण तलब किया है। यह कार्रवाई बीबीसी की उस रिपोर्ट के बाद की गई है जिसमें दावा किया गया था कि मेटा के प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री वाले वीडियो और विज्ञापन उसके एल्गोरिदम द्वारा बढ़ावा दिए जा रहे थे, भले ही कंपनी की नीतियां इसकी अनुमति नहीं देती हैं। मंत्रालय ने मेटा से ऐसे विज्ञापनों की स्वीकृति, सुधारात्मक उपायों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा उपायों पर विस्तृत जानकारी मांगी है। यह इस सप्ताह मेटा के खिलाफ दूसरी नियामक कार्रवाई है। इससे पहले सरकार ने व्हाट्सऐप के 'यूजरनेम' फीचर को लेकर भी मेटा को नोटिस जारी कर उसे रोकने का निर्देश दिया था। आईटी अधिनियम की धारा 67बी के तहत बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री का प्रकाशन एक दंडनीय अपराध है।

मेटा ने अपने बयान में कहा है कि उसकी बाल यौन शोषण सामग्री के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति है और वह ऐसी सामग्री को हटाने के लिए उन्नत एआई का उपयोग करती है।

फार्मा कंपनियों को राहत, अब दवा की वास्तविक ओवरचार्जिंग पर ही होगी कार्रवाई

शर्तों का पालन अनिवार्य; नई दवाओं के लॉन्च की प्रक्रिया भी आसान हुई

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश (डीपीसीओ), 2013 में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। 30 जून को जारी इन बदलावों से दवा उद्योग को नियामक अनुपालन में आसानी होगी, वहीं नियमों का पालन और भी मजबूत बनेगा। विशेष रूप से, ओवरप्राइसिंग के मामलों में कंपनियों पर लगने वाला बोझ कम होगा और प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट होंगी।

उद्योग जगत ने इन संशोधनों का स्वागत किया है। संशोधित नियमों के अनुसार यदि सरकार द्वारा तय नई कीमत लागू होने के बाद कोई मूल्य-नियंत्रित दवा अधिक दाम पर बेची जाती है, तो ऐसे मामलों में दवा कंपनियों को पहले से अधिक राहत मिलेगी। अब यदि कंपनी यह साबित कर देती है कि उसने नई कीमतों की जानकारी सभी संबंधित वितरकों और खुदरा विक्रेताओं तक सही ढंग से पहुंचाई थी, तो उसकी जिम्मेदारी केवल उतनी ही दवाओं तक सीमित होगी जितनी मात्रा वास्तव में अधिक कीमत पर बेची गई हो। इंडियन फार्मास्युटिकल एलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने इन बदलावों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे प्रक्रियाएं आसान होंगी और डीपीसीओ नियमों का पालन मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अब अधिक न्यायसंगत और स्पष्ट होगी, जिससे आपूर्ति श्रृंखला में सभी की जवाबदेही तय होगी। हालांकि, इस राहत के साथ कुछ सख्त नियम भी जोड़े गए हैं। कंपनियों को यह साबित करना होगा कि उन्होंने नई कीमतों की सूची सभी डीलरों और खुदरा विक्रेताओं को भेजी, कीमतों में कमी की सूचना कम से कम दो राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित कराई, अपनी वेबसाइट पर नई कीमतें अद्यतन कीं, संशोधित मूल्य सूची जारी की और प्रत्येक बैच के उत्पादन व स्टॉक का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा।

सरकार ने कुछ अन्य प्रक्रियाओं को भी आसान बनाया है। यदि कोई दवा निर्माता ऐसी नई दवा बाजार में लाता है जिसकी खुदरा कीमत सरकार पहले ही तय कर चुकी है, और वह दवा उसी कीमत तय होने के 12 महीने के भीतर लॉन्च की जाती है, तो कंपनी को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) से दोबारा कीमत की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। अब उसे केवल नए फॉर्म 1ए के माध्यम से दवा लॉन्च होने की जानकारी एक महीने के भीतर देनी होगी।

आरबीआई की एफसीएनआर (बी) योजना ने खींचा अनिवासी भारतीयों का ध्यान

60 अरब डॉलर की उम्मीद, खाड़ी देशों से डॉलर की बौछार तय, अमेरिका-यूरोप से कम उम्मीदें

नई दिल्ली।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की विशेष फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट (बैंक) जमा योजना भारतीय बैंकों के लिए एक बड़े अवसर के तौर पर उभर रही है, जिसके तहत 60 अरब डॉलर से अधिक की अनिवासी भारतीय (एनआरआई) जमा राशि आकर्षित करने की उम्मीद है। खाड़ी देशों, सिंगापुर और हांगकांग के एनआरआई इस विशाल राशि के मुख्य स्रोत बनने की उम्मीद है, जिसकी अधिकांश आवक अगस्त महीने में होने का अनुमान है। शुरुआती अनुमान बताते हैं कि इस योजना के तहत अब तक लगभग 4 अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं, जो इसके सफल आगाज का संकेत है।

योजना का खाका और बैंकों की रणनीति- आरबीआई ने 8 जून को इस योजना का खाका जारी किया था और हाल ही में अक्सर पूछे जाने वाले सवालों (एफएक्यू) के माध्यम से परिचालन संबंधी स्पष्टीकरण भी दिए हैं।

इसके बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे प्रमुख ऋणदाताओं ने इसे सक्रिय रूप से लागू करना शुरू कर दिया है।

ये बैंक विशेष रूप से उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (एचएनआई) को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि यह योजना निवेशकों को 9 गुना (9×) तक लीवरेज की सुविधा प्रदान करती है। इससे पांच साल के लिए डॉलर में लगभग 18-20त्न का प्रभावी रिटर्न मिलने की उम्मीद है। यह योजना 8 जून से 30 सितंबर 2026 के बीच किए गए सभी नए एफसीएनआर(बी) जमा पर लागू होगी, जिसमें आरबीआई हेजिंग की पूरी लागत वहन करेगा।

क्षेत्रीय फोकस और चुनौतियां- बैंकरों का मानना है कि खाड़ी देशों और एशिया के अन्य बाजारों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा, क्योंकि वहां भारतीय समुदाय बड़ी संख्या में एक ही स्थान पर केंद्रित है, जैसे दुबई, अबू धाबी और सिंगापुर। वहीं अमेरिका के शेयर बाजार में जारी तेजी के कारण वहां के एनआरआई बैंक जमा के बजाय शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना पसंद कर रहे हैं, जिससे अमेरिका और लंदन से निवेश अपेक्षाकृत कम रहने की संभावना है।

खाड़ी देशों में भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण एनआरआई अपने निवेश का पुनर्वितरण करने के लिए भी अधिक इच्छुक हैं।

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफ्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है। गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ा खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

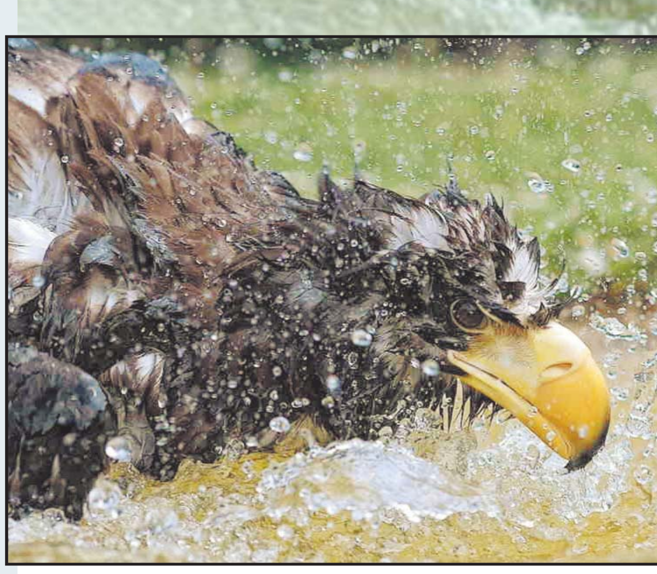

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक
तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक
पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक
सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक
आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक
दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

अपने करियर के बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन अपने करियर के अगले पड़ाव के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों से अपनी फिल्मों की कामयाबी और ऑफ-स्क्रीन विवादों की वजह से चर्चा में रहे यह एक्टर अब अपने करियर के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन अभी 'राका' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन 2026 के आखिर तक चलने की उम्मीद है। खबर है कि एक्टर सितंबर 2026 तक अपना शेड्यूल पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह अपना ध्यान फिल्म 'एए23' पर देना चाहते हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर में शुरू होने की संभावना है।

बड़े प्रोडक्शन की होगी जरूरत

कहा जा रहा है कि फिल्म 'राका' बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसमें बहुत ज्यादा विजुअल इफेक्ट्स और बड़े प्रोडक्शन की जरूरत होगी। बताया यह भी जा रहा है कि फिल्मिंग पूरी होने के बाद भी वीएफएक्स के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से फिल्म को लंबे पोस्ट–प्रोडक्शन प्रोसेस से गुजरना होगा। खबर है कि मेकर्स इसे 2028 के बीच में रिलीज करने की सोच रहे हैं, जिससे उन्हें तकनीकी पहलुओं को बेहतर बनाने और विजुअल को अच्छा करने के लिए काफी समय मिल जाए।

'एए23' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अल्लू अर्जुन 'एए23' पर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ऐलान के बाद से ही लोगों में इसे लेकर काफी उत्सुकता है और इसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर एक कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक और सबसे सफल मास फिल्ममेकर्स में से एक साथ आ रहे हैं।

मुश्किल दौर ने बदली जिंदगी, फिल्मों में काम रुका तो फैशन बिजनेस में रखा कदम

अभिनेत्री और वीडियो जॉकी (वीजे) रिया चक्रवर्ती एक ऐसा नाम है, जिन्होंने कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर सोशल मीडिया, टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में एक पहचान बनाई है। रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई 1992 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती आर्मी में रहे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई अंबाला कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल से की। रिया ने करियर की शुरुआत 2009 में एमटीवी पर आए रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी टीन दिवा' से की। इसमें वह पहली रनर–अप रहीं। इसके बाद वह 'पेप्सी एनटीवी वासुप', 'टिकटैक कॉलेज बीट', 'एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स' और 'एमटीवी रोडीज – कर्म या कांड' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में बतौर होस्ट के रूप में नजर आईं।

रिया ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इसके बाद उन्होंने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। अभिनेत्री ने इसके बाद कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरा, जिसमें 'सोनाली केबल', 'जलेबी', 'बैंक चोर' और 'चेहरे' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने लोगों के बीच पहचान दिलाई। हालांकि, 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद, रिया के जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें मीडिया और कानूनी जांच के केंद्र में ला दिया। दरअसल, रिया उस समय सुशांत को डेट कर रही थी, लेकिन सुशांत की संदिग्ध मौत से वह कई सवालों के घेरे में आ गईं।

इस मामले में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के कारण उन्हें अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ जेल में लगभग 28 दिन बिताना पड़ा था, लेकिन लगभग 5 वर्षों के मुश्किल समय के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिया को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मार्च 2025 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर क्लीन चिट दे दी। जानकारी के मुताबिक, 2020 के मुश्किल दौर के बाद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया था। उस समय उन्होंने 2023 में अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर एक स्ट्रीटवियर फैशन ब्रांड शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने 'चैप्टर 2 ड्रिप' रखा। यह ब्रांड ओवरसाइज्ड टी–शर्ट, हुडी और अन्य यूनीसेक्स कपड़ों के लिए जाना जाता है, जिसकी वैल्यूएशन बहुत ही कम समय में करोड़ों में हो गई है।

अहमद खान ने बताया क्यों 'वेलकम टू द जंगल' से बाहर हुए संजय दत्त?

अहमद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, फिल्म के प्रोमो में दिखाए गए लगभग पांच एक्टर फिल्म से गायब दिखे। जिसके बाद दर्शकों के मन में उन कलाकारों के रोल्स को लेकर सवाल जरूर हैं। अहमद खान ने फिल्म से संजय दत्त के गायब होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संजय दत्त ने 'वेलकम टू द जंगल' इसलिए छोड़ी क्योंकि उन्हें शूटिंग की तारीखों में दिक्कत थी और उन्हें इलाज के लिए अमेरिका जाना था। उन्होंने एक्टर और फिल्म की टीम के बीच किसी भी तरह के तनाव की बात को खारिज कर दिया। निर्देशक ने कहा कि संजू बाबा को स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी और वह सच में फिल्म का हिस्सा बनना चाहते थे। फिल्म में उनके कई दोस्त थे जैसे जग्गू दादा (जैकी श्रॉफ), अक्षय कुमार वगैरह। वह बहुत उत्साहित थे। हमने उनके साथ फिल्म का कुछ हिस्सा शूट भी किया था। लेकिन उन्हें तारीखों की दिक्कत थी। उन्हें अमेरिका जाना था। वह इलाज के लिए वहां गए थे और मैं इतने सारे एक्टर्स की तारीखें नहीं बदल सकता था।

'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' बनकर आएंगी कंगना

अभिनेत्री कंगना रनौत इस हफ्ते के आखिर में नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में एक खास मेहमान के रूप में दिखाई देंगी। इस बार वह शो में 'जनता की आवाज' बनकर एंट्री लेंगी।

खबर के अनुसार, शो से पहले कंटेस्टेंट के एलिमिनेशन के दौरान कंगना मुख्य होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख के साथ जूरी का हिस्सा बनेंगी। कंगना ने कहा कि यह शो सच को स्वीकार करने के बारे में है और यहां हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस शो के पिछले सीजन को खुद कंगना ने ही होस्ट किया था, इसलिए उनकी वापसी से फैंस काफी उत्साहित हैं। इस नए सीजन में धीरज धूपर, हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी समेत 15 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग हुई पूरी

टीवी शो के अलावा कंगना अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल यानी 'क्वीन 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। कंगना ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस फिल्म की मुख्य शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने पूरी टीम के साथ इसका जश्न भी मनाया। हाल ही में कंगना रनौत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आई थीं, जो 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

'राका' में अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका मंदाना

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख का होगा कैमियो?

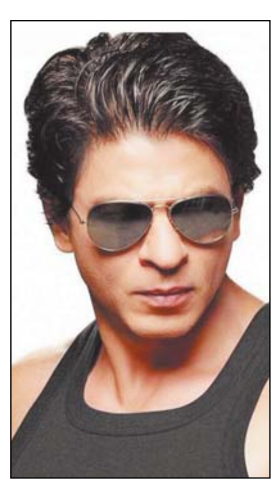

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

'राका' का पहला पोस्टर आया सामने

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं। बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

यदि कंटेंट में दम नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे

अली असगर उन सधे हुए कलाकारों में से हैं, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताउम्र दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर 'कॉमेडी सर्कस', 'जरा नचके दिखा', 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' जैसे शोज के जरिए वह दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। खास बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर दो टूक राय दी। कहा, 'जैसे–जैसे दौर बदलता है, वैसे–वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब 'कॉमेडी सर्कस' शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करोगे।' मुंबई में पैदा हुए अली असगर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी ऊब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम रील्स वगैरह के कारण 15–30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं। इसके बाद सारा दारोमदार आपके कंटेंट पर है। यदि कंटेंट में दम नहीं है, परफॉर्मेंस अच्छी नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे। जहां तक क्लीन कॉमेडी की बात है, तो दादा–दादी से लेकर बच्चों तक, पूरा परिवार एकसाथ देख सके, वह कंटेंट तो और भी मुश्किल है।

बदलते वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भी प्रेशर बढ़ा है। कई सितारे इस बारे में अपनी बात कह भी चुके हैं। अली कहते हैं, 'प्रेशर तो हर जगह है, हर फील्ड में है। सिनेमा एक्टर्स को सबसे ज्यादा प्रेशर होता है कि शुक्रवार को क्या होगा। उनके सिर पर तो करोड़ों रुपये का दांव लगा होता है। टीवी में हम एक्टर्स का इतना कुछ दांव पर नहीं होता, क्योंकि पैसा, प्रोडक्शन किसी और का है। हम तो किरदार निभाते हैं। जो कैरेक्टर हमें मिलता है, हम उसे अच्छे से निभाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर वह चीज नहीं चलती है, तो उसका दोष भी हमारे ऊपर आ जाता है। कई बार फिल्म नहीं चलती है तो डायरेक्टर को कोई दोष नहीं देता है, बल्कि लोग कहते हैं कि उस कलाकार की फिल्म नहीं चली। लेकिन सच तो यह है कि यह पूरी एक टीम है, कई डिपार्टमेंट उसमें जुड़े होते हैं।'

हर कलाकार के लिए थिएटर जरूरी

अली असगर उन कलाकारों में से हैं, जो टीवी और फिल्मों के साथ ही थिएटर के मंच पर भी लगातार परफॉर्म करते हैं। हाल ही वह दिल्ली में भी रंगमंच पर 'टॉम एंड जैरी' नाम के नाटक की प्रस्तुति करते देखे गए। जब अली असगर से पूछा गया कि टीवी के दर्शक और थिएटर के दर्शकों में क्या अंतर होता है? उन्होंने जवाब दिया, 'जिस शिद्दत से हम थिएटर में परफॉर्म करते हैं, उसी शिद्दत से हमें दर्शकों की प्रतिक्रिया भी मिलती है। यहां आपको तुरंत रिस्पॉन्स मिलता है।

जैसे ही प्ले शुरू होता है, आपको ऑडियंस के साथ तुरंत रिश्ता बनाना होता है। वह रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण भी है, आकर्षित भी करता है और जरूरी भी है। वहां आपको बहुत सावधान भी रहना होता है, क्योंकि कोई कट तो होता नहीं है। इसलिए मौके को देखकर ही खुद को सुधारना होता है। मैं तो सभी कलाकारों से कहूंगा कि आप लोग भी आकर थिएटर करें। यह हमारे लिए एक मेंटल एक्सरसाइज है और चैलेंजिंग भी है।'

संक्षिप्त समाचार

रोम जल रहा है और नीरो बंशी बजा रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ कोरोना काल में फिल्मों में खलनायक का काम करने वाले सोनू सूद असल में हीरो है उनकी देशभक्ति में प्रधानमंत्री मोदी तक ने कसीदे पढ़े लेकिन छत्तीसगढ़ में पर्दो पर जो छत्तीसगढ़ महतारी का गुणगान करते नहीं थकते उनकी खलनायक की भूमिका नकटी मामले में सामने आया रायपुर से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित नकटी गांव की चर्चा इन दिनों देश और प्रदेश में जमकर हो रही है कारण यह है कि गांव की 85 परिवार को बुलडोजर चला कर जमींदोज कर दिया माफ कीजिए यह लोग कोई माफिया नहीं है नहीं अपराधिक प्रवृत्ति के लोग है जिन पर बुलडोजर करवाई किया जाए दरअसल यह लोग कई सालों से चारागाह जमीन पर निवासरत है और उन्हें बाकायदा प्रधानमंत्री आवास बिजली सहित सरकार की सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है यानी की अधिकृत तौर पर उसके बाद सरकार में बैठे हुए लोग जो विधायक है जो ऑलरेडी करोड़पति अरबपति है विधानसभा की शोभा बढ़ा रहे हैं उन्होंने सोचा कि उनके लिए एक विधायक कॉलोनी बनाया जाए तो उसके लिए उन्होंने नकटी गांव को चुना और एक बुलडोजर चला कर उनकी वर्षों की मेहनत ममता की छांव मिट्टी की मिठास में सारा कुछ उजाड़ दिया और जब यह लोग अपने साथ हुए अन्याय का विरोध कर रहे हैं तब उन्हें पुलिसिया अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है मतलब अपने ही देश अपने ही लोग और अपनी सरकार अपने ही लोगों को तड़पा रहा है छत्तीसगढ़ के पूर्व में कलाकार रहे नाचने गाने वाले अनुज शर्मा की भूमिका इस मामले में पूरी तरह संदिग्ध है और वह मीडिया के सामने बेशर्म जैसे बयान बाजी कर रहे हैं जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि साहब पहले विस्थापन कर देते हैं फिर बुलडोजर चढ़ा देते है तब बेशर्मी से इस विधायक ने कहा हंसते हुए कहा कि पहले आपको सलाह देना था जैसे विधायक पत्रकारों की बातों को पूरी तरह एक्सेप्ट कर लेते आपकी जानकारी के लिए बता दे अनुज शर्मा इसी इलाके के विधायक है यह गांव उनकी ही विधानसभा क्षेत्र में आता है.

थाना दिवस पर जनसंवाद एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। प्रदेश शासन की सुशासन, जनसेवा एवं जनकल्याण की भावना को साकार करते हुए माह के प्रथम गुरुवार को थाना दिवस का आयोजन साल्हेवारा थाना परिसर में सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन एसडीओपी खैरागढ़ श्रीमती ममता अली शर्मा के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए छायादार एवं फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया तथा सभी उपस्थित लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने का आह्वान किया गया। थाना दिवस में साल्हेवारा एवं आसपास के क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक, किसान, व्यापारी, जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। उपस्थित नागरिकों ने कानून-व्यवस्था, यातायात, साइबर अपराध सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं जनहित के विषयों को एसडीओपी महोदया के समक्ष रखा। उन्होंने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु थाना प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर आमजन को बढ़ते साइबर फ्रॉड से बचाव, सुरक्षित ऑनलाइन लेन-देन तथा यातायात नियमों के पालन के संबंध में भी विस्तृत जानकारी एवं जागरूकता प्रदान की गई। उपस्थित नागरिकों ने थाना दिवस जैसी पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय गुरुवार को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास, संवाद एवं समन्वय को मजबूत करने की दिशा में एक अत्यंत सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम में लालपुर से मुकेश मरावी, ग्राम के पटेल, मोहित रजक सहित अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एसआई के.के. राय, एएसआई निर्मल, आरक्षक भुवन पोरते सहित थाना स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही।।

रूस का कीव पर भीषण मिसाइल एवं ड्रोन हमला, 17 लोगों की मौत

कीव , एजेंसी। रूस ने गुरुवार रात यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइलों और ड्रोन से भीषण हमला किया जिसमें कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक अन्य घायल हो गए. हमलों के दौरान कई घंटों तक राजधानी में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं. रूस ने इस हमले को यूक्रेन की ओर से मॉस्को के तेल प्रतिष्ठानों पर किए गए हमलों का प्रतिशोध बताया है. यूक्रेन के इन हमलों से रूस में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बढ़ा है. बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से किए गए इस हमले में राजधानी के कई हिस्सों में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा. यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों की ओर से हमले को लेकर पहली बार सतर्क किए जाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने सबवे स्टेशनों में शरण ली.

रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह हमला यूक्रेन की ओर से रूस के नागरिक बुनियादी ढांचे पर किए गए हमलों के जवाब में किया गया. हाल के सप्ताहों में रूस ने कीव पर अपने हमले और तेज कर दिए हैं। वहीं, यूक्रेन भी रूस के सैन्य ठिकानों और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है, जिससे रूस के भीतर ईंधन की कमी पैदा हुई है और उसकी आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है.

कीव के मेयर विताली क्लित्सको ने बताया कि हमले में 17 लोगों की मौत हुई है जबकि 90 से अधिक अन्य घायल हुए हैं. यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस हमले को ''खौफनाक'' करार देते हुए सहयोगी देशों से यूक्रेन की वायु रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की अपील की. उन्होंने कहा कि वायु रक्षा प्रणालियों और मिसाइलों की आपूर्ति से जुड़े फैसलों में अब और देरी नहीं की जानी चाहिए.

उन्होंने यूक्रेन के ड्रोन हमलों के जवाब में रूस की कार्रवाई को उचित ठहराने की किसी भी कोशिश को खारिज करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत यूक्रेन आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग कर रहा है जबकि रूस ही आक्रामक रुख अपनाए हुए है.

कीव शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमूर तकाचेंको ने बताया कि हमले में आवासीय इमारतों और नागरिक बुनियादी ढांचे समेत शहर के 30 स्थानों को नुकसान पहुंचा है. यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लीमेंको ने बताया कि करीब 20 आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं. क्लित्स्को ने बताया कि देस्न्यांस्की जिले में एक क्षतिग्रस्त नौ मंजिला आवासीय इमारत में कुछ लोग फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए बचाव दल को मौके पर भेजा गया. यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, होलोसिएव्स्की जिले में 16 मंजिला एक इमारत की छत पर आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए करीब 500 कर्मियों और 100 विशेष वाहनों को तैनात किया गया. रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि इस हमले में ''लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों'' और ड्रोन का इस्तेमाल कर कीव तथा कीव क्षेत्र में सैन्य उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठानों, ईंधन एवं ऊर्जा परिसरों और यूक्रेन के चार अन्य क्षेत्रों में स्थित सैन्य हवाई अड्डों के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया. मंत्रालय ने उन स्थानों की सूची भी जारी की, जिन्हें निशाना बनाए जाने का दावा किया गया है. इनमें अधिकांश यूक्रेन के ड्रोन, मिसाइल और उनके कलपुर्जों के निर्माण एवं संयोजन संयंत्र बताए गए हैं. यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने इस हमले में 74 मिसाइलें दागीं, जिनमें 24 बैलिस्टिक मिसाइलें थीं. इसके अलावा विभिन्न प्रकार के 496 ड्रोन भी छोड़े गए.

इस बीच, यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने दावा किया कि उसकी सेना ने रातभर चले अभियान में मॉस्को के पूर्व में स्थित निजनी नोवगोरोद क्षेत्र की रूस की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई. जनरल स्टाफ ने यह भी दावा किया कि यूक्रेनी सेना ने रूस के कब्जे वाले लुहान्स्क क्षेत्र में सिवेर्स्की दोनेत्स नदी पर बने एक रेलवे पुल को भी निशाना बनाया. उसके अनुसार, रूसी सेना इस पुल का इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामग्री की आवाजाही के लिए कर रही थी।

यूएन हेडक्वार्टर के बाहर शख्स ने खुद को आग लगाई: अस्पताल में मौत; तिब्बती झंडे के साथ पहुंचा था, पुलिस ने जांच शुरू की

न्यूयॉर्क सिटी, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मुख्यालय के बाहर गुरुवार को एक 52 साल के व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। उसके हाथ में तिब्बती झंडा था। सूचना मिलने पर पुलिस और इमरजेंसी टीम मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने बताया कि फिलहाल यह साफ नहीं है कि व्यक्ति ने यह कदम क्यों उठाया। मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि उसके परिजनों को पहले सूचना दी जानी है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए यूएनके नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। आग की लपटों में घिरने के एक मिनट से भी कम समय में वह जमीन पर गिर पड़ा, जबकि ट्रैफिक चलता रहा और कई गाड़ियों के हॉर्न बजते रहे। पुलिस अधिकारी और सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और 15 सेकंड के भीतर आग बुझा दी। अधिकारियों ने बताया कि उस व्यक्ति को बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस बीच, तिब्बती झंडा लगभग एक घंटे तक घटनास्थल पर ही पड़ा रहा, जबकि पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच-पड़ताल की। मौके पर मौजूद पुलिस को पर्चे इकट्ठा करते देखा गया, जिनमें से एक पर चीन तिब्बत से बाहर जाए का नारा लिखा था। यह संदेश आम तौर पर तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है, जिसे 'फ्री तिब्बत' अभियान के नाम से भी जाना जाता है। फ्री तिब्बत के अनुसार, 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बतियों ने तिब्बत पर चीनी शासन के विरोध में आत्मदाह किया है। फ्री तिब्बत आंदोलन तिब्बतियों के आत्म-निर्णय के अधिकार की बहाली और तिब्बती बौद्ध धर्म के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की तिब्बत वापसी की वकालत करता है।

न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर चढ़ा कपल, प्रपोज किया; दोनों गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक कपल सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर चढ़ गया। दोनों ने वहां 'व्हेन द पावर ऑफ लव बीट्स द लव ऑफ पावर, द वर्ल्ड नोज पीस' लिखा बैनर लहराया और फिर एक-दूसरे को प्रपोज किया। इस पूरी घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। इसके बाद पुलिस और इमरजेंसी सर्विस के जवान सीढ़ियों के जरिए दोनों तक पहुंचे और उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा। एंजेला निकोलाउ और इवान कुजनेत्सोव के खिलाफ सेंधमारी, अवैध घुसपैठ, लापरवाही से जान खतरे में डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों प्रतिबंधित इलाके तक कैसे पहुंचे। यह कपल पहले भी ऊंची इमारतों पर खतरनाक स्टंट करने के लिए जाना जाता है और इन पर 2024 में 'स्काईवॉकसः अ लव स्टोरी' नाम की डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है।

पाकिस्तान: खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस टीम पर अंधाधुंध फायरिंग; 2 अधिकारियों की मौके पर मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनख्वा से हिंसा की एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस की एक रूटीन पेट्रोलिंग टीम को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध फायरिंग की है।

इस घात लगाकर किए गए हमले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है,। इस घटना ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अंधेरे का फायदा उठाकर किया हमला : यह वारदात गुरुवार देर रात की बताई जा रही है। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग टीम अफगान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में अपनी नियमित गश्त पर थी।

हमलावरों ने पहले से ही घात लगा रखी थी और जैसे ही पुलिस की वैन लोअर मोहमंद सब-डिविजन के 'मचनी अकरब दाग' इलाके में पहुंची, उन्होंने चारों तरफ से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। हमलावरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे।

वरिष्ठ अधिकारियों ने गंवाई जान : इस हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गोलीबारी में एक एडिशनल स्टेशन हाउस ऑफिसर और एक हेड कॉन्स्टेबल की जान चली गई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इन दोनों अधिकारियों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, पुलिस वैन का ड्राइवर इस हमले में गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के तुरंत बाद सभी हताहतों को नजदीकी ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत पुलिसकर्मियों के शवों का पंचनामा किया। घायल ड्राइवर की नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पेशावर के एक बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन : हमले की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। जिला पुलिस अधिकारी रजा मुहम्मद और डीएसपी दिलफराज भारी पुलिस बल और अतिरिक्त सुरक्षा दस्ते के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे तकनीकी साक्ष्यों और स्थानीय इनपुट के आधार पर आरोपियों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

खैबर पख्तूनख्वा में लगातार हो रही हिंसा : खैबर पख्तूनख्वा का यह इलाका लंबे समय से उग्रवाद और हिंसा की चपेट में रहा है। अफगान सीमा से सटे होने के कारण यहां अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया जाता रहा है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या इस हमले के पीछे किसी विशेष आतंकवादी गुट का हाथ है। फिलहाल, पूरे जिले में अलर्ट जारी कर दिया गया है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

इंडोनेशिया के पापुआ में अमेरिकी पायलट की हत्या, अलगाववादियों ने फूंका पूरा विमान

पापुआ , एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ में हथियारबंद अलगाववादी विद्रोहियों ने एक बहुत ही दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया है। इन खतरनाक विद्रोहियों ने एक अमेरिकी पायलट की सरेआम गोली मारकर निर्मम हत्या कर दी है और उनके विमान को भी पूरी तरह से आग के हवाले कर दिया है। इस भयानक और हिंसक हमले की पूरी जिम्मेदारी वहां के सशस्त्र अलगाववादी समूह वेस्ट पापुआ नेशनल लिबरेशन आर्मी ने ली है। अलगाववादियों ने इस हमले को इंडोनेशिया और अमेरिकी सरकार दोनों के लिए एक बहुत ही बड़ी और खतरनाक चेतावनी बताया है। संगठन का दावा है कि उनके लड़ाकों ने अमेरिकी पायलट निकोलस एफ गोसेलिन को उस समय गोली मारी जब उनका विमान जमीन पर उतरा। यह दर्दनाक घटना हाइलैंड पापुआ प्रांत के सुदूर जिले याहुकिमो में हुई है जहां उतरने के बाद विमान का अचानक संपर्क टूट गया था। इंडोनेशियाई अधिकारियों के मुताबिक इस जले हुए विमान में एक अमेरिकी पायलट और पापुआ के सात आम यात्री भी सवार थे। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में काफी ज्यादा दहशत फैल गई है और स्थानीय प्रशासन पूरी जानकारी जुटाने में लगा है। विद्रोही समूह के प्रवक्ता सेब्य संबोम ने कहा कि इस हिंसक हमले का मुख्य मकसद जकार्ता और वॉशिंगटन को एक कड़ा संदेश देना था। उनका गंभीर आरोप है कि इस विमान ने संगठन की चेतावनियों के बावजूद बार-बार उनके कब्जे वाले क्षेत्र में अपनी उड़ान भरी थी। संबोम ने कहा कि हमारे अल्टीमेटम का सीधा उल्लंघन करने के कारण ही लड़ाकों ने तुरंत फायरिंग की और विमान को पूरी तरह जला दिया। विद्रोहियों ने यह भी आरोप लगाया है कि नागरिक विमानों का इस्तेमाल इंडोनेशियाई सेना के जवानों को सुरक्षित लाने के लिए हो रहा था। इन विमानों से सैन्य रसद और हथियारों को उन संवेदनशील इलाकों में ले जाया जा रहा था जिन पर विद्रोहियों का दावा है। संबोम ने चेतावनी दी है कि उनके रेड जोन में अगर नागरिक उड़ानें जारी रहीं तो ऐसे घातक और जानलेवा हमले आगे भी होते रहेंगे। इंडोनेशिया की सरकार ने एयरपोर्ट पर विमान के जलने की आधिकारिक पुष्टि कर दी है लेकिन मामले की तहकीकात अभी भी जारी है। इंडोनेशिया के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बताया कि यह जला हुआ विमान पीटी एएमए एयरलाइन का था जो जरूरी सामान पहुंचाती है। वामेना से उड़ान भरने के बाद याहुकिमो में उतरते ही इस नागरिक विमान का कंट्रोल रूम से संपर्क पूरी तरह से टूट गया था। पापुआ में साल 1969 से ही यह हिंसक और सशस्त्र अलगाववादी आंदोलन लगातार पूरी तेजी और आक्रामकता के साथ चल रहा है। इससे पहले फरवरी 2023 में भी इन विद्रोहियों ने न्यूजीलैंड के एक पायलट फिलिप मेहरटेंस को अपना निशाना बनाकर अगवा कर लिया था।

मौत को मात ! वेनेजुएला में 8 दिन बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में पिछले दिनों आए विनाशकारी भूकंप ने जहां हजारों घरों को मलबे में तब्दील कर दिया और 2200 से अधिक लोगों की जान ले ली, वहीं इसी मलबे के नीचे से उम्मीद की एक ऐसी किरण निकली है जिसने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। 24 जून को आए भीषण भूकंप के आठ दिन बाद, बचाव दल ने 'गैलरियस प्लाया ग्रांडे' शॉपिंग सेंटर के बेसमेंट से 43 वर्षीय सुरक्षा गार्ड हर्नान अल्बर्टो गिल फ्लोरेस को जिंदा बाहर निकाला है। इसे इस सदी के सबसे मुश्किल और चमत्कारी रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक माना जा रहा है।

100 घंटे से भी ज्यादा लगा समय : हर्नान को मलबे से बाहर निकालना कोई आसान काम नहीं था। बचाव कर्मियों ने उन्हें ढूंढने और बाहर निकालने के लिए 100 घंटे से भी ज्यादा समय तक बिना रुके काम किया। इस ऑपरेशन की सबसे बड़ी चुनौती अस्थिर ढांचा, भारी बारिश और लगातार आ रहे आफ्टरशॉक्स थे।

इस बचाव कार्य में केवल वेनेजुएला की टीमें ही नहीं, बल्कि चिली, अमेरिका, पुर्तगाल, मैक्सिको, कोस्टा रिका और अल साल्वाडोर की विशेषज्ञ टीमों ने भी दिन-रात एक कर दिया।

मौत के केबिन में कैसे बची जान : हर्नान गिल फ्लोरेस उस शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में नाइट-शिफ्ट गार्ड के तौर पर काम करते थे। जब 7.2 और 7.5 तीव्रता के जबरदस्त झटके लगे, तो हर्नान अपने छोटे से सिक्योरिटी केबिन के अंदर थे।किस्मत से कंक्रीट का भारी ढांचा गिरा तो सही, लेकिन उनकी केबिन टिकी रही, जिससे वहां हवा आने-जाने की एक छोटी सी जगह बन गई और वे मलबे के नीचे दबने से बच गए। रेस्क्यू के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब कोस्टा रिका रेड क्रॉस की टीम हर्नान तक पहुंची। हर्नान ने डर के मारे रेस्क्यूअर से कहा था कि वे उनकी पत्नी को न बताएं कि वह जिंदा है, क्योंकि उन्हें डर था कि शायद वह बाहर निकलने तक जीवित न रह पाएं। हालांकि, उनकी पत्नी गुसबिमार गोंजालेज ने हार नहीं मानी थी। उन्होंने बताया कि जब उन्हें पति के जीवित होने का पता चला, तो उन्हें 'अंधेरे में उम्मीद की एक किरण' दिखाई दी। मलबे के नीचे दबे होने के बावजूद हर्नान ने अपना हौसला नहीं खोया। बचाव दल ने टेलीस्कोपिक कैमरों के जरिए उन पर नजर रखी और एक संकरे रास्ते से उन्हें पानी और तरल पोषक तत्व पहुंचाए। बचाव के आखिरी घंटों में वे समय बिताने के लिए ड्राइंग कर रहे थे, ताकि उनका ध्यान डर से हट सके।

पीओके में होने वाले चुनाव नहीं लड़ेगी इमरान खान की पार्टी, कश्मीरियों के लिए मांगा इंसाफ

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके में होने वाले चुनाव को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने बड़ा फैसला लिया है। इमरान की पार्टी 27 जुलाई को होने वाले पीओके विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेगी। पार्टी ने यह बड़ा फैसला मौजूदा हालात और कश्मीरियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए लिया है।

पीटीआई ने क्यों किया चुनाव के बहिष्कार का ऐलान : पीटीआई के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मौजूदा परिस्थितियों में पार्टी इस चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनेगी। पार्टी का कहना है कि चुनाव न लड़ने के फैसले का मकसद कोई राजनीतिक लाभ उठाना या नुकसान से बचना नहीं है। यह कदम केवल कश्मीरी अवाम के साथ एकजुटता दिखाने और लोकतंत्र के सम्मान में उठाया गया है। प्रवक्ता ने साफ किया कि जब तक एक स्वतंत्र, न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल नहीं बन जाता, तब तक पीटीआई किसी भी चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेगी। बता दें कि पूर्व सत्ताधारी पार्टी पीटीआई वर्तमान में केंद्र में प्रमुख विपक्षी दल है।

पीओके में इस वक्त क्या हैं हालात : पीटीआई ने अपने बयान में प्रतिबंधित संगठन 'जम्मू कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' के लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों का भी जिक्र किया। पार्टी ने कहा कि यह क्षेत्र इस वक्त गंभीर संकट से जूझ रहा है। रावलकोट समेत पीओके के कई अन्य हिस्सों में हजारों नागरिक धरने पर बैठे हैं। हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद, पीओके की कठपुतली सरकार ने 5 जून को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत जेएएसी पर प्रतिबंध लगा दिया था। यह बैन 9 जून को होने वाले जेएएसी के उस प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से ठीक पहले लगाया गया, जिसमें 1947 के बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान गए शरणार्थियों के लिए पीओके में आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग की जानी थी। भोजन आपूर्ति रोकने का लगाया आरोप पीटीआई ने मांग की है कि क्षेत्र में राजनीतिक अस्थिरता को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए स्थानीय लोगों के मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। पार्टी ने आरोप लगाया है कि पंजाब प्रांत से पीओके के लिए भोजन की आपूर्ति 'पूरी तरह से रोक' दी गई है। हालांकि, शहबाज शरीफ सरकार और पुलिस प्रमुख ने कुछ दिन पहले ही इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया था।

टिकट बंटवारे पर रोक : चुनाव के बहिष्कार के फैसले के बाद पीटीआई संसदीय बोर्ड ने उम्मीदवारों को टिकट देने से जुड़ी सभी सिफारिशों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्रवक्ता ने बताया कि जब तक 'अगले आदेश' नहीं आ जाते, तब तक किसी भी स्तर पर आगे की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। अब पूरी दुनिया की नजरें 27 जुलाई को होने वाले इन चुनावों पर टिकी हैं। इमरान खान की पार्टी जैसी प्रमुख राजनीतिक शक्ति के चुनावी मैदान से बाहर रहने के कारण अब चुनावी मुकाबला एकतरफा होने की संभावना बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि मुख्य विपक्षी दल की अनुपस्थिति न केवल चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.